हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 13 अप्रैल 2025

तापमान
अधिकतम 36 .4 डिग्री
न्यूनतम 14 .5 डिग्री

10 पूर्व मंत्री ने बस्ती चलो अभियान की शुरुआत की

10 परमात्मा को पहचान कर उससे संबंध जोड़े इंसान

खबर संक्षेप

विवाहिता की शिकायत पर घरेलू हिंसा का केस दर्ज

पानीपत। इसराना थाना पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर उसके पति संदीप निवासी गांव सुवाना जिला जींद के खिलाफ केस दर्ज किया हे। विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद संदीप उसके साथ मरपीट करता है और रूपयों की डिमांड करता है। विवाहिता ने अपने पति पर चरित्रहीन होने का भी आरोप लगाया। वहीं पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक से मारपीट व लूट के मामले में दो नामजद

समालखा। पानीपत के गांव नामुंडा निवासी आशीष की शिकायत पर थाना समालखा पुलिस ने उज्ज्वल व इसके साथी अंशल गुलिया पर केस दर्ज किया है। आशीष का आरोप है कि दोनों ने उसके साथ मारपीट की और उसके बेहोश होने पर उसका पर्स व मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

डंपर की टक्कर लगने से मां-बेटा हुए घायल

यमुनानगर। गांव सुढ़ैल पेट्रोल पंप के पास डंपर की टक्कर लगने से बाइक सवार मां बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का इलाज शहर के निजी अस्पताल में चल रहा है। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। गांव चुहड़पुर कलां निवासी सोहनलाल ने बताया कि उसका भतीजा अमन कुमार अपनी मां संजो देवी को जिला करनाल के गांव न्यौरी में दवाई दिलवाने के लिए बाइक पर लेकर जा रहा था। जब वह गांव सुढ़ैल पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो तेज गति से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अमन कुमार व उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीएम नायब सिंह सैनी ने हनुमान जन्मोत्सव पर जनता को दी बधाई

पीएम मोदी ने कानूनी तरीके से करवाया रामजन्म भूमि विवाद का समाधान, तभी अयोध्या में बना भव्य मंदिर

श्री हनुमान की 31 फीट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

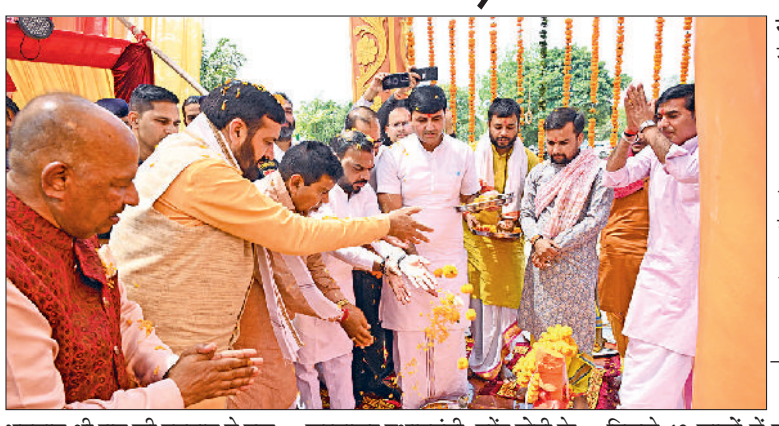

नारायणगढ़। गांव भूरेवाला स्थित एसआरएम कॉलेज परिसर में सीएम नायब सैनी भगवान हनुमान की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करते हुए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर गांव भूरेवाला स्थित एसआरएम कॉलेज परिसर में 31 फूट उंची पंचमुखी हनुमान की प्रतिमा का अनावरण किया।

■ राजनीति और धर्म एक-दूसरे के बिना नहीं चल सकते।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सबके लिए गर्व और गौरव का दिन है। हम सब जानते हैं कि भगवान श्री राम की हनुमान ने एक सेवक के रूप में निस्वार्थ भाव से सेवा की है। जब लक्ष्मण और मेघनाथ के युद्ध के दौरान लक्ष्मण मूर्छित हो गए थे, तो उस घड़ी में हनुमान ने संजीवनी बूटी लाकर उन्हें जीवन देने का काम किया था। उन्होंने कहा कि अयोध्या में वर्षों से रामजन्म भूमि को लेकर कानूनी विवाद चल रहा था, जिसका कानूनी प्रक्रिया से समाधान करवाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य एवं दिव्य मंदिर बना। उन्होंने कहा कि धर्म और राजनीति एक-दूसरे के प्रयाय हैं। राजनीति और धर्म एक-दूसरे के बिना नहीं चल सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी प्राचीन संस्कृति एवं धरोहर का संरक्षण करते हुए धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने लुप्त होती जा रही हमारी प्राचीन संस्कृति एवं धरोहर को संरक्षण देते हुए जीर्णोद्धार करने का काम किया हैं। भगवान काशी विश्वनाथ का कोरिडोर, उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर कोरीडोर, प्रयागराज महाकुंभ में करोड़ों लोगों द्वारा आस्था की डूबकी लगाना, उत्तराखंड में श्री केदारनाथ धाम का जीर्णोद्वार और पाकिस्तान में स्थित करतारपुर साहिब कॉरीडोर का खुलना प्रमुख है। इसी प्रकार प्रदेश सरकार ने भी कुरूक्षेत्र की पावन धरा जहां पर भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता का संदेश दिया था वहां पर अनेक तीर्थों का जीर्णोद्वार किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार महापुरूषों की सोच के अनुरूप एवं उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए गरीबों के हित को ध्यान में रखकर लगातार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयुष्मान कार्ड योजना के तहत जरूरतमंद लोगों को 5 लाख रुपये तक के निशुल्क ईलाज की सुविधा प्रदान की है। प्रदेश में आयुष्मान/चिरायु कार्ड योजना के तहत लगभग 20 लाख लोगों को इस का लाभ दिलवाया गया है। योजना के तहत 2200 करोड़ रुपये की राशि खर्च हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में 4 करोड़ लोगों को मकान की सुविधा उपलब्ध करवाने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री हिसार व यमुनानगर में आ रहे हैं। इस मौके पर प्रदेश को बड़ी सौगात देंगे। इनमें हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं का शुभारंभ व यमुनानगर में 800 मेगावाट यूनिट की सुपर क्रीटिकल यूनिट की आधारशिला रखा जाना शामिल है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया, एसडीएम शाश्वत सांगवान, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संदीप सैनी, महामंत्री विवेक गुप्ता, गोल्डी सैनी, अमित जिंदल, मोती जिंदल, दीपक शर्मा, ओम प्रकाश देवीनगर, अश्वनी जिंदल, अश्वनी अग्रवाल, मंडल प्रधान जगदीप कौर, राजू मक्कड, प्रवीण धीमान, बीडीसी मेंबर दीपचंद सैनी भी मौजूद रहे।

सेंटर का दौरा किया

मुख्यमंत्री ने कॉलेज में बने नमो आयुर्वेदा अस्पताल एंड वेलनेस सेंटर का दौरा भी किया। मुख्यमंत्री ने हनुमान की मूर्ति बनाने वाले मूर्तिकार संत कुमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता व प्रमुख समाजसेवी प्रेम गोयल मौजूद रहे। कार्यक्रम में आयोजक व भजन गायक कन्हैया मित्तल ने भजन सिया राम के चरणों के दास बालाजी भक्तों के रहते सदा पास, भजन की प्रस्तुति से सभी को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई भी दी। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने भी सभी को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सीएम हाउस संत कबीर कुटीर में रात के अढाई बजे भी सीएम सैनी लोगों की बात/समस्या को सुनकर उनका समाधान कर रहे हैं।

हादसे में महिला की मौत, बेटा-पति घायल

यमुनानगर। साढ़ौरा रोजा पीर के पास दो बाईकों की भिड़ंत में महिला की मौत हो गई। हादसे में महिला का बेटा व पति घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मृतक महिला अपने पति व बेटे के साथ त्रिलोकपुर माता मंदिर में माथा टेक कर घर लौट रहे थे।

■ त्रिलोकपुर माता मंदिर में माथा टेक कर बाइक पर लौट रहे थे

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। गांव खिजरी निवासी सुभाष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है। शुक्रवार को वह अपनी पत्नी ममता रानी तथा लड़के पीर दिया के साथ बाइक पर त्रिलोकपुर माता मंदिर में माथा टेकने के लिए गए थे। शाम को जब वह माथा टेक कर घर लौट रहे थे तो साढ़ौरा रोजा पीर के नजदीक तेज गति से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह उसकी पत्नी व लड़का सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी बाइक चालक कुछ देर रुकने के बाद मौके से फरार हो गया। उसने पत्नी व बेटे को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसकी पत्नी की गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई रेफर कर दिया।

नकाबपोश बदमाशों ने की कारोबारी पर फायरिंग

■ घटना के वक्त दुकान के बाहर बैठा था टैक्सी कारोबारी, पैर में गोली लगने से हुआ जख्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

टैक्सी चलाने का कारोबार करने वाले नवनीत कालड़ा पर नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग कर दी। एक गोली कालड़ा के पैर में लगी। इसके बाद बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच के दौरान पुलिस को मौके से एक गोली का खोल भी मिला है। जख्मी हालत में कालड़ा को नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया। यहां उसे उपचार के लिए दो घंटे तक ही व्हीलचेयर पर इंतजार करना पड़ा। पुलिस को दिए बयान में नवनीत ने बताया कि शुक्रवार देर शाम को वह अपनी दुकान पर बैठा था। तभी एक बाइक पर सवार होकर आए दो नकाबपोश बदमाशों ने पिस्तौल तान कर उस पर फायरिंग कर दी। उसका आरोप है कि बदमाशों ने उस पर चार गोलियां चलाई। जिनमें से एक नवनीत के पांव में लगी। घायल ने बताया कि एक बदमाश बाइक पर बैठा रहा। उसकी बाइक स्टार्ट थी। दूसरे ने उसके पास आकर गोली चलाई। बाइक पर कोई नंबर प्लेट नहीं थी। दोनों ने चेहरे पर सफ़ेद रंग का गमछा बांध रखा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाश सेक्टर 9 की तरफ से आए और मॉडल टाउन की ओर भाग गए। नवनीत ने बताया कि बदमाश ने बिल्कुल पास से फायरिंग की थी। पहले दो फायर मिस हो गए। तीसरा फायर होने पर नवनीत ने घबरा कर अपना हाथ सीने पर रख लिया। उसने बताया कि तब बदमाश को लगा कि नवनीत को गोली लग गई। तब दो फायर और फायर करने के बाद आरोपी फरार हो गया।

ऑपरेशन से निकलेगी गोली

जख्मी हालत में नवनीत को अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल में लाया गया। यहां परिजनों को दो घंटे तक अस्पताल में भटकना पड़ा। परिजनों का आरोप है कि यहां केवल पट्टी बांधने के अलावा कोई अन्य उपचार की सुविधा नहीं है। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर अमर सिंह के अनुसार नवनीत के बाएं पैर में गोली लगी है। पैर का ऑपरेशन कर गोली निकाली जाएगी।

मिड डे मील वर्कर्स ने मांगों को लेकर किया रोष प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। मिड डे मील वर्कर्स ने कुरुक्षेत्र के देवी लाल पार्क में एकत्रित होकर एक जनसभा की जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान रोशनी देवी ने की संचालन जिला उपप्रधान लाल देवी ने किया।

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की राज्य उपप्रधान लाल देवी ने कहा कि आज हमने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रतिनिधि कैलाश सैनी को मांग पत्र सौंपा है और मांग की है कि हमारी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। यूनियन नेताओं ने कहा कि बेटी बचाओ ओर बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार के मंत्रियों और विधायकों के पास महिलाओं की समस्याओं को सुनने तक का टाइम नहीं है। आज के दिन ही पानीपत, सोनीपत व करनाल की मिड डे मील वर्कर्स शिक्षा मंत्री महीपाल डांडा के आवास पानीपत में प्रदर्शन कर रही है। अगर शिक्षा मंत्री ने भी मिड डे मिल वर्कर्स की मांगो का समाधान नहीं किया तो 20 मई को पूरे हरियाणा की मिड डे मिल वर्कर्स हड़ताल करके अपने अपने जिले में उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे। सीटू जिला प्रधान रानी देवी, आशा वर्कर पिंकी ने कहा कि मिड डे मील वर्कर्स लंबे समय से मांगों व समस्याओं को लेकर आंदोलनरत है लेकिन प्रदेश सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर नहीं है सरकार की बेरुखी है। यूनियन नेताओं द्वारा मांग की गई कि वर्कर्स का बकाया व कटा हुआ मानदेय तुरंत जारी किया जाए।

खालसा पंथ ने विश्व को मानवता और शहादत का दिया संदेश : दादूवाल

करनाल। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की धार्मिक प्रचार कमेटी के चेयरमैन तथा यू एनओ के अध्यात्मिक एंबेसेडर जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल तथा हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के एक्जीक्यूटिव मैंबर गुरप्रसाद ने कहा है कि खालसा पंथ की स्थापना मानवता की रक्षा के लिए की गई थी।

सिख पंथ का इतिहास शहादत से भरा हुआ हैं। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने हमेशा मानवता के लिए कार्य करने का संदेश दिया हैं। उन्होंने लोगों को सिख पंथ के बारे में बताया कि हमेशा सिख समुदाय ने देश की रक्षा के लिए बलिदान दिया हैं। खालसा पंथ के सृजना दिवस पर देश और प्रदेश के लोगों को शुभकामनाएं दी।

मोदी के थ्रेड पोर्ट्रेट से सुसज्जित होगा समारोह स्थल का मंच

■ शहर में चौकों पर स्वच्छता का संदेश देंगे महात्मा गांधी के कट आउट : सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

कला एक ऐसी भाषा है जो दिल की गहराइयों से निकलती है और आत्मा को सुकून देती है। हर रचना एक कहानी कहती है। हर रंग एक भावना दर्शाता है। कला का जादू यही है कि जो शब्द नहीं कह सकते वह चित्र कह देते हैं। इसलिए इसका महत्व भी अधिक है। हालांकि आर्ट भी कई तरह की होती है। इनमें से ही एक आर्ट स्ट्रिंग थ्रेड पोर्ट्रेट भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में उनकी स्टेज को सुंदर तरीके से सजाया जाएगा।

स्टेज पर सबसे आकर्षक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थ्रेड पोट्रेट होगा। रैली स्थल पर बनाई स्टेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के थ्रेड पोर्ट्रेट से सुसज्जित होगी। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने दी। नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर सबसे महत्वपूर्ण समारोह स्थल की स्टेज होगी। जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को संबोधित करेंगे। सभी की नजर उनके साथ स्टेज पर होगी। इसलिए स्टेज को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। स्टेज पर सबसे आकर्षक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थ्रेड पोर्ट्रेट होगा। जो सबसे अलग व सुंदर होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थ्रेड पोर्ट्रेट बनाने के लिए स्पेशल दिल्ली से टीम आई हुई है। अनएडिशनेट आर्ट दिल्ली के सह संस्थापक राजेशए पीयूष व चंद्र प्रकाश यहां अपनी दस सदस्यीय टीम के साथ आए हुए है। उनकी टीम दो दिन से नगर निगम कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थ्रेड पोर्ट्रेट बनाने में लगी हुई है। यह एक ऐसी कलां है कि जिसमें ऊन को कीलों पर लपेट कर किसी भी व्यक्ति का चित्र बनाया जाता है।

खबर संक्षेप

हनुमान हमेशा भक्तों की रक्षा करते हैं: किशोर

करनाल। हनुमान जयंती पर पर आज वालाजी को स्मरण करने के लिए लंगर बीर हनुमान की शेभायात्रा निकली। जगह जगह लंगरबीर हनुमान जी का स्वागत किया गया। सर्राफा बाजार में लंगरबीर हनुमान जी का स्व्चगत हरियाणा प्रदेश व्यपार मंडल के प्रदेश प्रवक्ता किशोर नागपाल के किया। लंबर बीर हनुमान का स्वरूप लिए भक्त राज किशोर नागपाल के निवास पर पहुंचे यहां हनुमान जयंती की केक कटवाई गई। इस अवसर पर भजन कीर्तन भी हुए। लंगरबीर हनुमान जी ने किशोर नागवाल के परिजनों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर कि शोर नागवाल ने बताया कि महाभारत मं लंगरबीर हनुमान का बड़ा ही महत्व रहा है। उन्होंने सावन जोत महोत्सव में भी लंगर बीर हनुमान जी के महत्व का उल्लेख किया।

श्री हनुमान जन्मोत्सव सुन्दरकांड पाठ व भंडारा

तरावड़ी। श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में महावीर मंदिर डेरी वाला में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सहारनपुर से आए से अशीष सागर स्नेही बंधुओं द्वारा श्री सुंदरकांड का पाठ एवं श्री राम कथा श्रावन करवाई। इस अवसर पर स्नेही बंधुओं ने श्री सुंदरकांड पाठ की चर्चा करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को बताया की सुंदरकांड पाठ करने से घर से दुख दरिद्रता कोस दूर रहती है और इंसान के बिगड़े हुए काम बनते हैं। हमें रोजाना श्री हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा शनिवार या मंगलवार को सुंदरकांड पाठ भी करना चाहिए। इस अवसर पर मंदिर सभा के प्रधान पार्षद सुरेंद्र खुराना ने बताया कि आज हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

11 दिनों से चल रहे धरने 18 अप्रैल तक स्थगित

करनाल। एचएसवीपी कर्मचारी यूनियन द्वारा संपदा अधिकारी देवेंद्र शर्मा के आश्वासन देने के बाद 11 दिनों से चल रहे धरने प्रदर्शन को 18 अप्रैल तक स्थगित कर दिया गया है। सफाई ठेकेदार का इनकम टैक्स विभाग द्वारा खाता सीज किए जाने से कर्मचारियों की सेलरी देने की समस्या पैदा हो गई है। संपदा अधिकारी ने कहा कि 15 अप्रैल को एचएसवीपी मुख्यालय जाकर उच्च अधिकारियों से बात करके परमिशन लेकर नया खाता खुलवाने के बाद इन कच्चे सफाई कर्मचारियों का वेतन दिया जाएगा। 15 से 17 अप्रैल तक संपदा अधिकारी ने इनकी समस्या का समाधान करने की बात कही है। फिलहाल यह धरना 18 तक स्थगित कर दिया गया है। एचएसवीपी यूनियन मंगलवार को संपदा अधिकारी को लिखित में पत्र देगी।

बजरंगबली के मंदिर में दिनभर उमड़ी रही भक्तों की भीड़, लगे जयकारे

जिलेभर में आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंद्री

श्री हनुमान मंदिर इंद्री में मंदिर सुधार सभा इंद्री द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदरकांड के पाठ व हवन यज्ञ कर किया गया । हवन यज्ञ व पुजा आर्चाय मोहित शर्मा व अशोक शर्मा ने करवाई । इस मौके पर यजमान के रूप मे पूजा अरुण बंसल ने अपने परिजनों के साथ करवाई ।

मंदिर सुधार सभा इंद्री के प्रधान पवन सिंगला ने बताया कि श्री हनुमान मंदिर इंद्री में श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया है । उन्होने बताया कि मंदिर सुधार सभा का प्रयास रहता है कि प्रत्येक त्यौहार को कस्बे मे धूमधाम से मनाया जाए । उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी श्री हनुमान जन्मोत्सव पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम मे पूजा अर्चना के बाद सुंदरकांड का पाठ किया गया। इसके पश्चात हवन यज्ञ कर प्रसाद वितरित किया गया । इस कार्यक्रम मे रमेश सिंगला, माया राम सैनी, वासु गोयल, संतलाल खुराना, अजय, शशि कांता, कौशल्या सैनी, रिचा सैनी व सुमन रानी सहित मंदिर सुधार सभा सदस्यों का योगदान रहा ।

इंद्री। श्री हनुमान मंदिर इंद्री में हवन यज्ञ करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

करनाल। श्री राम मंदिर सेक्टर आठ में हनुमान जी के भजनों पर नृत्य करते भक्त।

हनुमान जन्मोत्सव पर अग्रवाल सभा ने लगाया भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी

शहर में विभिन्न स्थानों पर श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। शहर के लगभग सभी मन्दिरों मे श्री राम कथा सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन किया गया। श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर अग्रवाल सभा तरावड़ी की ओर से हनुमान मंदिर मुख्य बाजार में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पूर्व एक दिन पहले श्री रामायण जी का पाठ रखा गया था आज प्रातः श्री रामायण जी का पाठ को भोग डालकर तत्पश्चात हवन यज्ञ किया गया। जिसमें अग्रवाल सभा के प्रधान रमेश गुप्ता व अन्य पदाधिकारी सदस्यों सहित बाजार के स्थानीय दुकानदारों ने भी पूर्ण आहूति दी उसके तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। हवन सम्पन्न के पश्चात सभा के प्रधान रमेश गुप्ता ने श्री हनुमान जी की प्रतिमा पर नये वस्त्र का चोला चढ़ाया बाद मे सभा की ओर से सवामनी लड्डूओं के प्रसाद का भोग लगाया गया। इस अवसर पर शहर के हजारों लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सभा के पदाधिकारी सुशील कुमार, चमन सिंगला ने बताया कि आज सायं श्री बालाजी का जागरण आयोजित किया जाएगा। जिसमें लखबीर लक्खा कुरूक्षेत्र व अन्य गायक कलाकार मां भगवती एवं हनुमान जी के भजनों का श्रद्धालुओं को रसपान कराएंगे। इसके अलावा सुंदर-सुंदर झांकियां का भी आयोजन किया जाएगा।

तरावड़ी। मंदिर मे हवन यज्ञ के बाद भंडारा वितरित करते सेवादार

हर्षोल्लास के साथ श्री हनुमान जयंती मनाई

करनाल। श्री राम मंदिर सेक्टर आठ में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ श्री हनुमान जयंती मनाई गई। श्री सुंदरकांड पाठ करने के साथ भजन गाए गए। मंदिर की महिला विंग द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया गया। अनु, सरोज शर्मा, ऊषा बत्रा, मीनू, सुषमा धमीजा व बेबी धमीजा ने मंगल में जन्मे मंगल ही करते वीर हनुमान और भक्तों में भक्त हैं वीर हनुमाना छम छम नाच देखो वीर हनुमाना कहते हैं लोग इन राम का दीवाना भजन गाया। पांव में घुंघरू बांध के नाचे राम जी का नाम इनको प्यारा लागे रामजी ने इनको खूब पहचाना छम छम नाचे देखो वीर हनुमान पर श्रद्धालु झूम उठे। पंडित अनिल द्विवेदी व पंडित हरीश आचार्य ने मंत्रोच्चारण के साथ मंदिर में पहुंचे श्रद्धालुओं से पूजा अर्चना करवाई। इस अवसर पर प्रधान रविंद्र तनेजा, जगन बत्रा, अशोक मदान, वेद दुआ, सतीश शर्मा, शाम धमीजा, मुरारी बत्रा आदि रहे।

नेहरू पैलेस में लगाया भंडारा

करनाल। श्री राम भक्त हनुमान जी की जयंती आज धार्मिक हर्ष उल्लस के साथ मनाई गई। हनुमानजयंती शनिवार और पूणर्मिा को होने के कारण इसका महत्व और अधिक बढ़ गया। हनुमान जयंती पर जो योग बन रहा है वह लंबे अरसे बाद बन रहा हैं। हनुमान जयंती पर जगह जगह भंडारे लगाए गए। इसके अलावा राम चरित मानस का पाठ किया गया। नेहरू पैलेस में ओपीएस ज्यूल्स की तरफ से भंडारा लगारया गयउ। जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस का उद्घाटन समाजसेवी तथा श्री सनातन धर्म महाबीर दले के प्रधान कैलाश चंद्र गुप्ता, समाजसेवी क्षण लाल तनेजा ने किया। उन्होंने बताया कि नेहरू पैलेस में हर माह की पूर्णिमा को ओपीएस द्वारा भंडारा लेगाया जाता हैं। यह सिलसिला पिछले आठ सालों से चला आ रहा है। इस अवसर पर ज्योतिष आचार्य ए सी शर्मा, परमिंदर सिंह सहित कई लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री सनातन धर्म महाबीर दल मंदिर में भी हनुमान जयंती मनाई गइर्। इस अवसर प्रबंध न्यास द्वारा श्री रामचरित मानस का पाठ किया गया। बड़ी संख्या में धर्मालु वहां पर पहुंचे।

57 सालों बाद पड़ा है पंचाग्रही योग

करनाल। हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को भगवान राम के अनन्य भक्त हनुमान का जन्म हुआ था। यही वजह है कि इस दिन देशभर में हनुमान जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। शास्त्रों के अनुसार, हनुमान जी का जन्म वानरराज केसरी और माता अंजना के घर चैत्र पूर्णिमा के दिन हुआ था। जासनकारी देते हुए विद्वान पंडित ए सी शर्मा ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि इस दिन विधिवत पूजा, व्रत और श्री हनुमान चालीसा का पाठ करने से जीवन के सभी दुख-दर्द समाप्त हो जाते हैं और सुख-शांति का वास होता है। हनुमान जी को बजरंगबल संकटमोचन और अंजनीपुत्र नामों से भी जाना जाता है। इस जयंती पर हनुमान मंत्रों का जाप करना विशेष फलदायी माना गया है। ऐसे में आइए जानते हैं हनुमान जयंती की शुभ मुहूर्त, पूजा विधि, मंत्र, आरती, कथा सहित अन्य जानकारी.. वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 12 अप्रैल 2025 को सुबह 3 बजकर 21 मिनट पर होगी और इस तिथि का समापन 13 अप्रैल को सुबह 5 बजकर 51 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल हनुमान जयंती 12 अप्रैल, शनिवार को मनाई जाएगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार हनुमान जयंती पर सालों बाद पंचग्रही योग का निर्माण हो रहा है। आज हस्त नक्षत्र में मीन राशि में सूर्य, शनि, शुक्र, बुध और राहु एक साथ रहेंगे ज्योतिष के अनुसार, हनुमान जयंती के दिन 11 केले लेकर हर एक में लौंग लगा दें। इसके बाद केलों को हनुमानजी को समर्पित करें और बच्चों में बांट दें। ऐसी मान्यता है कि इससे जीवन में चल रही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि हनुमान जयंती साल में दो बार क्यों आती है।

महापुरुषों पर अभद्र टिप्पणी कर उनके शौर्य को कलंकित कर रहे हैं : नरेंद्र प्रताप सिंह

- राजपूत सभा करनाल की ओर से मनाई गई महाराणा सांगा जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

राजपूत सभा करनाल की ओर से महाराणा संग्राम सिंह उर्फ राणा सांगा की जयंती सेक्टर 8 स्थित महाराणा प्रताप भवन में मनाई गई। सभा की ओर से उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनकी वीरता के बारे में कई पदाधिकारियों ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजपूत सभा के प्रधान डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह ने की, सभा के वरिष्ठ प्रधान कुलदीप नंबरदार, महासचिव बृजपाल राणा एडवोकेट, कुंवर अमित सिंह सहित कई लोगों उनके जीवन पर प्रकाश डाला। प्रधान सहित राजपूत सभा के सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा की महाराणा सांगा का जीवन संघर्षों से भरा रहा। घायल होने के बावजूद भी उन्होंने अपने जीवन की सभी लड़ाइयां जीती, लेकिन कुछ राजनीति से प्रेरित लोग उन पर अनाप-शनाप और अभद्र टिप्पणी कर उनके शौर्य को कलंकित करने का काम कर रहे हैं। यह महापुरुषों का अपमान है।कुछ राजनीतिक दल भी ऐसे लोगों का समर्थन कर रहे हैं इससे बड़ी शर्मनाक बात नहीं हो सकती । महापुरुष किसी एक जाति के नहीं होते। महापुरुषों ने 36 बिरादरी के लिए लड़ाइयां लड़ी, उनके जीवन की रक्षा की और अपने प्राणों का बलिदान दिया। राजपूत और क्षत्रिय समाज महापुरुषों के अपमान को लेकर चुप नहीं बैठेगा। इस दौरान मांग की गई की महाराणा सांगा पर टिप्पणी करने वाले सांसद अपनी इस अभद्र टिप्पणी पर माफी मांगे और उनकी सदस्यता भी रद्द होनी चाहिए। करनाल से भी काफी संख्या में युवा आगरा पहुंचे। इस अवसर पर डॉक्टर एनपी सिंह अध्यक्ष, बृजपाल राणा एडवोकेट महासचिव, कुलदीप सिंह चौहान वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के युवा प्रधान अनिल चौहान बीजना, नरेंद्र अमृतपुर, राजेंद्र ऊंचा समाना, कुंवर अमित सिंह, प्रेस सेक्रेटरी बिशपाल राणा, डॉक्टर सुनील पंवार रहे।

कच्चा आढ़ती एसोसिएशन इंद्री के प्रधान बने सतपाल बैरागी

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंद्री

कच्चा आढ़ती एसोसिएशन इंद्री के आढ़तियों की मीटिंग किसान भवन अनाज मंडी इंद्री में हुई । जिसमें सर्व समिति से सतपाल बैरागी को पांचवी बार अनाज मंडी एसोसिएशन इंद्री का प्रधान चुना गया । इस मौके पर उपस्थित आढ़तियों ने नवनियुक्त प्रधान सतपाल बैरागी को प्रधान बनने पर बधाई दी । नवनियुक्त प्रधान सतपाल बैरागी ने सभी आढ़तियों को आश्वासन देते हुए कहा कि वे मंडी के आढ़तियों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने देंगे और सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करवाने का प्रयास करेंगे । गौरतलब है कि इंद्री मे दो कच्चा आढ़ती एसोसिएशन बनी हुई है । इस मौके पर सुभाष बंसल, मुकेश मंगला, सुशील बंसल, बलवान चहल, कृष्ण कुमार,दलजीत सिंह, प्रभु दयाल, महिंद्र सिंह, सुमित जिंदल, वेद प्रकाश बंसल, सतपाल भोजी, सतपाल मालिक, रमेश, इंद्रजीत सिंह, हिमांशु गर्ग, पवन कुमार,वीरेंद्र कुमार,राहुल बंसल,दीपक खन्ना व कपिल बंसल आदि मौजूद रहें ।

इंद्री अनाज मंडी में आढ़ती एसोसिएशन इंद्री के नवनियुक्त प्रधान को बधाई देते मंडी के आढ़ती। फोटो : हरिभूमि

हैफेड निदेशक ने किया नई अनाज मंडी का दौरा

- गेहूं खरीद एवं उठान में नहीं होनी चाहिए कोई समस्यां

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

हैफेड के प्रबंध निदेशक मुकुल कुमार ने शनिवार को नई अनाज मंडी में गेहूं खरीद एवं उठान संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने आढ़तियों और किसानों से बातचीत करते हुए उठान व गेहूं खरीद से संबंधित जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। प्रबंध निदेशक मुकुल कुमार ने अधिकारियों से कहा कि समय पर गेहूं की खरीद का उठान होना चाहिए तथा किसानों को किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। इस सीजन में अधिकारियों को विशेष हिदायत दी है कि वे उठान कार्य पर विशेष फोकस रखें ताकि व्यापारियों और किसानों को कोई समस्या न आए। किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए व्यापक प्रबंध तथा समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने मंडी में पहुंचते ही सबसे पहले गेट पास की व्यवस्था का जायजा लिया तथा मौजूद कर्मचारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत फसल खरीद का जायजा लिया तथा अधिकारियों को खरीद एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों को खरीद कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने, गेट पास में पारदर्शिता बरतने, किसानों के लिए स्वच्छ पेयजल, सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने, फसल का उठान सही समय पर करने एवं फसल की निर्धारित मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने को लेकर निर्देशित किया।

सिख समाज व साथियों का हमेशा ऋणी रहूंगा : त्रिलोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

करनाल के लोकप्रिय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह के निवास पर पहुंचने पर सिख समाज की ओर से जोरदार अभिनंदन किया गया। इस दौरान त्रिलोचन सिंह के मित्रों ने भी मनोहर लाल का सिरोपा डालकर स्वागत किया। विधायक जगमोहन आनंद, विधायक भगवानदास कबीरपंथी, विधायक रामकुमार कश्यप, मेयर रेणु बाला गुप्ता, पूर्व मंत्री शशिपाल मेहता, पार्षद संजीव मेहता व ऐलनाबाद सीट से विधानसभा उम्मीदवार रहे रमेश भादू भी मौजूद रहे। त्रिलोचन सिंह ने कहा कि वह सिख समाज और अपने साथियों का आभार व्यक्त करते हैं। सिख समाज ने हमेशा उन्हें आशीर्वाद दिया है। पिछले 20-25 वर्षों से जो साथी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं उनके वह जीवनभर ऋणी रहेंगे। बता दें कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल त्रिलोचन सिंह के निवेदन पर उनके निवास पर चाय कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां केंद्रीय मंत्री ने एक घंटे से भी ज्यादा का समय बिताया और सिख समाज के लोगों के साथ वार्तालाप की। मनोहर लाल ने कहा कि सिख समाज ने हमेशा बहादुरी का परिचय दिया है। सेवा कार्यों में भी सिख समाज अग्रणीय रहता है। इस मौके पर त्रिलोचन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश-प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। देश विकसित बनने की ओर अग्रसर है।

अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में हुआ कार्यक्रम

करनाल। डीएवी पीजी कॉलेज करनाल में संविधान के शिल्पकार, महिलाओं के मुक्तिदाता, विश्व रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती पर अंबेडकर चेयर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित उन्हें याद करते हुए कॉलेज के प्राचार्य एवं डॉ भीमराव अंबेडकर चेयर के मुख्य संरक्षक प्रोफेसर रामपाल सैनी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर ने सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए न्याय और उनके कल्याण के लिए कार्य किया। उन्हीं की बदौलत सबको अधिकार मिले, डॉ भीम राव अंबेडकर सम्पूर्ण मानवता एवं मानवीय अधिकारों के रक्षक थे, उन्हें गरीबों, किसानों, दलितों, वंचितों, पिछड़ों और महिलाओं के मुक्तिदाता के रूप में भी जाना जाता है । इतना ही नहीं देश के निर्माण और विकास में जो योगदान बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का रहा,वो शायद ही अन्य किसी का रहा होगा। प्राचार्य ने बताया कि डॉ अंबेडकर ने संविधान निर्माता के साथ-साथ भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना,रूपये की समस्या,वित आयोग का गठन, आर्थिक निति निर्माण, किसानों की समस्या, सिंचाई आयोग, जलनीति, महिलाओं को समान अधिकार, औद्योगिकरण की आर्थिक नीति, नदियों का एकीकरण, हीराकुंड बांध, दामोदर घाटी परियोजना, सोन नदी घाटी परियोजना, राष्ट्रीय जलमार्ग, केन्द्रीय जल विद्युत परियोजनाएं, सिंचाई आयोग, केन्द्रीय रोजगार योजना, निर्वाचन आयोग, समान नागरिक संहिता, विदेशी नीति निर्माण जैसे महान कार्यों के साथ महिलाओं को अधिकार दिलाने के सभी रास्ते खोले।

श्रद्धालुओं ने चैत्र पूर्णिमा व हनुमान जयंती पर श्री कृष्ण गोशाला में किया हवन

हनुमान जैसा भक्त व सेवक पूरी सृष्टि में नहीं: सुनील गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

श्री कृष्ण गऊशाला में चैत्र पूर्णिमा व हनुमान जयंती के अवसर पर हवन यज्ञ किया गया। गायों की सेवा करने पहुंचे श्रद्धालुों ने भी हवन यज्ञ में आहूतियां डाली। विश्व शांति और परिवारों में सुख समृद्धि की कामना की तथा गायों की सेवा और सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर गऊशाला के प्रधान सुनील गुप्ता ने सभी लोगों को हनुमान जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम जी के सेवक के रूप में हनुमान जी ने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनके जैसा भक्त और सेवक सृष्टि में नहीं हो सकता। इसी प्रकार से हमें भी गायों की सेवा और सुरक्षा करने का प्रण लेना चाहिए। गायों को हम अपनी माता के रूप में पूजते हैं तो उनकी सेवा भी अपनी माता की तरह करनी चाहिए। कार्यकारी प्रधान डा. एसके गोयल ने बताया कि श्री कृष्ण गऊशाला के देवधाम में हर पूर्णिमा और अमावस्या के अवसर पर हवन यज्ञ किया जाता है। गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी के सानिध्य में यह परंपरा निभाई जा रही है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि गऊशाला में आकर गायों की पूजा और सेवा करें। यथासंभव हवन यज्ञ में भी शामिल हों। इस अवसर पर प्रधान सुनील गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष डा. एसके गोयल, महासचिव राम कुमार गुप्ता, मनीराम गोयल, अरूण गुप्ता, गुरुदयाल अग्रवाल, प्रदीप गुप्ता, विवेक अग्रवाल, वीपी सिंह व आशीश गुप्ता मौजूद रहे।

मां भगवती चौकी का भव्य आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

सामाजिक संस्था जेसीआई करनाल गोल्ड की ओर से अग्रसेन भवन सेक्टर आठ में मां भगवती चौकी का भव्य आयोजन किया गया। शाम को पावन जोत प्रज्जवलित करने के बाद संस्था की ओर से माता रानी को चुन्नी चढ़ाई गई और श्रृंगार किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मेयर रेणु बाला गुप्ता ने शिरकत की, जबकि अति विशिष्ट अतिथि पार्षद सुजाता अरोड़ा रहीं। आशीष सागर और रेखा सुरभि ने भजनों के माध्यम से मां की महिमा का गुणगान किया। मां की मस्ती में लीन महिलाएं झूमती नजर आई। गायकों ने मैं बालक तू माता शेरा वालिए..., मन तेरा मंदिर आंखें दिया बाती..., तेरा दरबार हमने सजाया है मां..., अब मेरी भी सुनो हे मात भवानी भजन गाए। जय माता की जयकारों से अग्रसेन भवन गुंजाएमान रहा। अतिथिगणों ने कहा कि मां भगवती की कृपा सब पर बनी रहे। उन्होंने हनुमान जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रोजेक्ट डायरेक्टर जेसी मुकेश बंसल ने कहा कि मां भगवती की कृपा से भविष्य में भी इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

डॉ. भीमराव साहेब को श्रद्धांजलि दी

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज में कंप्यूटर विभाग में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर जहां बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी गई। वहीं दी इंपेक्ट ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी ऑन सोसाइटी थीम पर प्रतियोगिता करवाई। जिसमें प्रथम स्थान दीक्षांत बीसीए प्रथम वर्ष और द्वितीय स्थान शिवा बीसीए प्रथम वर्ष और तृतीय स्थान स्वाति बीसीए प्रथम वर्ष द्वारा प्राप्त किया गया। ज्योति और कुलदीप को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। वहीं विजेताओं को प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मालिक, उप-प्राचार्या डॉ. किरण मदन, विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रम कुमार, प्रतियोगिता के संयोजक अश्वनी गुप्ता, मोहित धीमान, डॉ नीतू मनोचा, दिप्ती जुनेजा, विनय भारती, प्रीति मलिक, मिलन शर्मा, नीरू, पूजा शर्मा, गणेश, संगीता ने पुरस्कृत किया।

विजेता रेसलर पुरस्कृत किए

पानीपत। पानीपत के गांव अधमी के प्राचीन शाकुम्भरी देवी मन्दिर परिसर में ईनामी दंगल का आयोजन किया गया। ईनामी कुश्ती दंगल का शुभारम्भ समाजसेवी व यमुना सुधार समिति के प्रदेशाध्यक्ष अधिवक्ता रत्न सिंह रावल ने बतौर मुख्यातिथि पहलवानों के हाथ मिलवाकर किया और विजेता पहलवानों को ईनाम के रूप में नगद धनराशि देकर सम्मानित किया।

प्रभु हनुमान का पूजन किया

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर 24 स्थित ब्रह्माकुमारी द्वारा हनुमान जन्मोत्सव पर राजगुरु पार्क में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेक्टर 25 सेंटर की संचालिका बीके अंजना ने हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हनुमान को बुराई पर विजय पाने और सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता वाले देवता के रूप में पूजा जाता है। वहीं, 108 बार राम नाम का जाप करवाया और सभी ने मिलकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर राजबीर, जितेन्द्र, भूपेंद्र, रामेश्वर, सुभाष, शकुंतला, किरण, संतोष, सुष्मिता, रीटा, रानी, उषा, अरुणा, सत्या आदि मौजूद रहे।

मिड डे मील वर्कर्स ने ज्ञापन सौंपा

पानीपत। मिड डे मील वर्कर्स ने शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के आवास पर जोरदार प्रदर्शन कर मंत्री के भाई हरपाल ढांडा को ज्ञापन सौंपा। वहीं हरपाल ढांडा ने उन्हें आश्वस्त किया कि एक सप्ताह बाद मांगों पर बातचीत के लिए समय देंगे। यूनियन ने फैसला किया कि यदि मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आगामी दिनों में बड़ी रैली व आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन को यूनियन की प्रदेशाध्यक्ष राजरानी, जय भगवान, निर्मला, ओम प्रकाश माटा, सुनील दत्त, डॉ.सुरेंद्र मलिक, राजपाल आदि ने भाग लिया।

हनुमान जन्मोत्सव भक्तिभाव से मनाया

पानीपत। जैन किड्स स्कूल में हनुमान जन्मोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर टीचर्स व स्टूडेंट्स ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। जबकि स्कूल के मैनेजर सुभाष जैन ने सबको हनुमान जन्मोत्सव की बधाई और प्रिंसिपल मोनिका सहगल ने हनुमान जी की जीवन गाथा सुनाई। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

पानीपत। चौधरी देवीलाल पीजी कॉलेज गांव सिवाह, पानीपत में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर प्राचार्या डॉक्टर सुमन लता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो पूनम देवी समेत स्वयं सेवी छात्राओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कन्या बचाओ व पढ़ाओ को जागरूक किया

इसराना। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में इसराना ब्लॉक के विभिन्न गांवों में शनिवार को महिलाओं ने प्रभात फेरी निकाल ग्रामीणों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। प्रभात फेरी का संचालन विभाग की सुपरवाइजर मोहिनी ने किया। सुपरवाइजर मोहिनी ने कहा कि लिंग जांच व भ्रूण हत्या सबसे बड़ा अपराध है।

हनुमानजी की पूजा अर्चना करते हुए प्रभुश्री से विश्व कल्याण की प्रार्थना की

हनुमान जयंती पर इंडस्ट्रियल एस्टेट एसोसिएशन ने लगाया विशाल भंड़ारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

इंडस्ट्रियल एस्टेट एसोसिएशन हुडा औद्योगिक सेक्टर 29 में शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल भंडारा लगाया गया। जिसमें 7000 से ज्यादा उद्यमी, कर्मचारी एवं श्रमिकों ने सामूहिक रूप से भगवान हनुमान जी की पूजा अर्चना की और प्रसाद ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि संगठन के पदाधिकारी पिछले कई वर्षों से हनुमान जयंती पर भंडारा लगा रहे हैं। एसोसिएशन के प्रधान श्रीभगवान अग्रवाल, उप प्रधान अतुल मित्तल, सचिव संजीव गर्ग, कोषाध्यक्ष नरेश चोपड़ा, सचिव सुरेश काबरा, संरक्षक पुरुषोत्तम शर्मा, ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन के प्रधान सुनील तुली, पानीपत ड्रायर्स एसोसिएशन के प्रधान नीतिन अरोड़ा, पानीपत एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के प्रधान ललित गोयल, भारत विकास परिषद के शिवकुमार मित्तल, प्रवीण गुप्ता, संजय अग्रवाल, सतबीर गोयल, ईश्वर अग्रवाल, सेक्टर 25 एसोसिएशन के प्रधान एचएस धम्मू एवं अन्य संगठन के पदाधिकारियों ने हनुमानजी की पूजा अर्चना की करते हुए प्रभुश्री से विश्व कल्याण की प्रार्थना की।

पानीपत। श्री हनुमान जयंती पर श्रद्धालुओं को प्रसाद देते हुए इंडस्ट्रियल एस्टेट एसो . के प्रधान श्रीभगवान अग्रवाल आदि। फोटो : हरिभूमि

शोभायात्रा निकाल प्रभु हनुमान व शनि महाराज की मूर्तियां स्थापित की

समालखा। समालखा की संगम कालोनी के हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर मंदिर में प्रमुख समाज सेवी जगपाल जौरासी ने उनकी माता स्वर्गीय चंद्रो देवी की याद में हवन किया गया उसके बाद मंदिर में हुनमान जी व शनि देव की मूर्ती स्थापना की गई। इससे पूर्व कॉलोनी की महिलाओं ने कलश यात्रा भी निकाली। दोपहर के समय भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर जगपाल जौरासी ने कहा हनुमान जी का जीवन एक आदर्श है,जो हमें भक्ति, समर्पण और सेवा के महत्व का पाठ सिखाता है। हनुमान जी हमें मुश्किल समय में साहस और शक्ति प्रदान करते हैं। हनुमान रामायण के नायकों में से एक हैं जो अपनी अटूट भक्ति, साहस और शक्ति के लिए जाने जाते हैं। इस अवसर पर समाज सेवी जगपाल गाहल्याण, विनोद गाहल्याण, महा सिंह गाहल्याण, सुभाष गाहल्याण, सुनील शर्मा, राजेश पंवार, धर्मवीर, रामनिवास, जयपाल छौकर, हंसराज, सुरेश आदि लोग मौजूद रहे।

पानीपत। डेरा बाबा जोध सचियार समिति के पदाधिकारी डेरे के सालाना सत्संग समागम व बैसाखी पर्व का न्यौता देते हुए। फोटो : हरिभूमि

डेरा बाबा जोध सचियार में सालाना समागम 13 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के जीटी रोड स्थित डेरा बाबा जोध सचियार में धन-धन बाबा जोध सचियार की मिठ्ठी याद में सालाना सत्संग समागम एवं बैसाखी का महान पर्व 13, 14 व 15 अप्रैल को मनाया जाएगा। बाबा जोध सचियार गुरुद्वारा गंगा नगर से पधारे प्रवक्ता संत अरुण भयाना एवं डेरा बाबा जोध सचियार कमेटी के महासचिव सुरजीत भयाना ने पत्रकार वार्ता में बताया की गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय बैसाखी का महान पर्व मनाया जा रहा है।

जिसमें देश-विदेश से बाबाजी के वंशज एवं श्रद्धालु आशीर्वाद लेने पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को कीर्तन दरबार, 14 को कथा एवं कीर्तन दरबार तथा 15 अप्रैल को कीर्तन दरबार सजेगा। जिसमें हजूरी रागी कीर्तन करेंगे।

गुरूद्वारा डेरा बाबा जोध सचियार में सभी धर्म का सम्मान किया जाता है। समारोह में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर गंगवा, विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, विधायक प्रमोद विज व मनमोहन भड़ाना अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर जसपाल सिंह, राकेश भयाना, जय भयाना, कमल भयाना, वेद बठला व सुरेश बजाज आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

672148 क्विंटल की खरीद हुई

पानीपत की मंडियों में आठ लाख क्विंटल गेहूं की हुई आवक

- 6.72 लाख क्विंटल की सरकारी खरीद हुई, 79331 क्विंटल की लिफ्टिंग हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया बताया कि पानीपत जिला की मंडियो में गेहूं की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। मंडियों में 803542 क्विंटल की आवक हुई है व 672148 की खरीद हुई है और 79331क्विंटल की लिफ्टिंग हुई है जो 11.80 प्रतिशत है। बाबरपुर मंडी में आवक हुई 84608 क्विंटल व 76483 की खरीद हुई और 21851 की लिफ्टिंग हुई, पानीपत मंडी में 119968 की आवक हुई व 107000 क्विंटल की खरीद हुई और 13500 की लिफ्टिंग हुई, बबैल मंडी में 8212 की आवक हुई व 5560 की खरीद हुई, 750 की लिफ्टिंग हुई। बापौली मंडी में 57110 की आवक हुई व 40682 की खरीद हुई और 2000 की लिफ्टिंग हुई। सनौली में 12806 की आवक और 12806 की खरीद हुई। इसी प्रकार समालखा मंडी में 277127 की आवक 238287 की खरीद हुई और 21390 कि लिफ्टिंग हुई। मतलौडा मंडी में 68982 की आवक, 40508 की खरीद हुई और 5250 की लिफ्टिंग हुई। छिछडाना में 20021 की आवक हुई और 19611 की खरीद हुई। जबकि उरलना कलां में 800 की आवक हुई और इसकी सरकारी खरीद की गई। इसराना मंडी में 144308 की आवक, 12721 1की खरीद और 14590 की लिफ्टिंग हुई।

पीपी कपूर को संघर्ष समिति का संरक्षक बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

हयूमन को-ऑपरेटिव सोसाइटी की ठगी के शिकार पानीपत, करनाल, सोनीपत व रोहतक जिलों के जमा कर्ताओं व एजेंटों ने मीटिंग करके ग्यारह सदस्यीय संघर्ष समिति गठित करके आरटीआई एक्टिविस्ट कॉमरेड पीपी कपूर को इसका संरक्षक बनाया और आंदोलन को सुचारु व प्रभावी ढंग से चलाने का फैसला किया है। पीड़तों को जमा रुपया वापिस दिलाने व सोसाइटी प्रमुख समीर अग्रवाल सहित सभी दोषियों की गिरफ्तारी तक आंदोलन चलाया जाएगा। इधर, कपूर ने बताया कि पुलिस द्वारा गिरफ्तार ठगी के आरोपी बिजेंद्र रूहल मच्छरोली ने करीब दो सौ करोड़ की सम्पति इस ठगी से पिछले दस पंद्रह सालों में बना ली है।

पानीपत। आरटीआई एक्टिविस्ट पीपी कपूर के साथ ठगी पीडित नागरिक।

गांव मच्छरोली, जौरासी, जींद, उत्तर प्रदेश सहित कई गांवों में कृषि भूमि, पानीपत हुडा सेक्टर, चंडीगढ़ में कोठियां व लक्ज़री कारें बना ली। जबकि इस सोसाइटी का एमडी समीर अग्रवाल इस ठगी से हजारों करोड़ रुपये ठग कर दुबई में ऐश कर रहा है। कपूर ने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षो से हयूमन सोसाइटी का करोड़ों रुपये का सारा बिजनेस व लेनदेन कैश पेमेंट व हवाला से चलाया जा रहा था। इसके बावजूद भी ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग सहित सभी ख़ुफ़ियां एजेंसियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। कपूर ने घोषणा की कि इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जाएगा, एजेंटों का पुलिस उत्पीड़न बंद करवाया जाएगा।

डॉ. अंबेडकर को जयंती पर पौधे रोप श्रद्धांजलि दी

- राष्ट्र निर्माण, महिला व शुद्र समाज के उत्थान में बाबा साहेब का रहा अहम योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

देशबन्धु गुप्ता राजकीय कॉलेज में इको क्लब, रेडक्रॉस क्लब, रेडरीबन क्लब, समाजशास्त्र विभाग और इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीम राव राम अंबेडकर के जीवन संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. रितु नेहरा ने की, वहीं कार्यक्रम का आयोजन ग्रीनमैन सहायक प्रोफेसर दलजीत कुमार ने किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एमए इतिहास के विद्यार्थियों और स्टॉफ सदस्यों द्वारा डॉ. अंबेडकर का राष्ट्र निर्माण, महिला उत्थान और शुद्र समाज के उत्थान में योगदान विषयों पर चर्चा-परिचर्चा के माध्यम से प्रकाश डाला गया। ग्रीनमैन प्रोफेसर दलजीत ने कहा कि महापुरुष एक जाति व धर्म के नहीं होते ये सर्वसमाज के होते है। प्रोफेसर दलबीर देसवाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान की रचना करके सभी को एक सम्मान अधिकार दिए। इस दौरान डॉ. पूजा रानी, डॉ. ज्योति शर्मा, अनिल माली सहित 100 से विद्यार्थी सेमिनार में शामिल हुए।

पानीपत। देशबन्धु गुप्ता राजकीय कॉलेज में बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देते हुए।

इन्नर व्हील की किकली में खिला पंजाबी रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

इन्नर व्हील क्लब ने एमजेआर हुडा में जिले के चारों क्लब्स ने संयुक्त रूप से रंगारंग उत्सव बैसाखी बैश द किकली का आयोजन किया। जिसने पूरे वातावरण को पंजाबी रंग में रंग दिया। जिसमें सैंकड़ों महिलाओं ने भाग लिया और पारंपरिक परिधानों में सोहणी मुटियार बनकर कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई। मुख्य अतिथि इन्नर व्हील डिस्ट्रिक्ट की चेयरमैन सुजाता आहूजा, विशिष्ठ अतिथि नगर निगम की की मेयर कोमल सैनी रही। श्वेता बिंदल मुख्य प्रयोजक रही। महिलाएं फुलकारी दुपट्टा, परांदा, पंजाबी जूती और मांग टिक्का पहनकर जब मंच पर उतरीं तो मानो पंजाब जीवंत हो उठा। सभी ने पंजाबी लोकगीतों की धुन पर किकली डाली और दिल खोलकर ढोल व डीजे की ताल पर नाची। इस अवसर पर जोन काउंसलर पीडीसी नीरू गुगलानी, जोनल क्लब कोऑर्डिनेटर अंजू गेरा, ईएसओ सीमा चोपड़ा, एपीडीसी गीता गुप्ता, चारों क्लबों की प्रधान भूमिका गुप्ता, डॉ.अनु कालड़ा आदि मौजूद रहे।

इन्नर व्हील क्लब के कार्यक्रम में भाग लेती मेयर कोमल व क्लब की पदाधिकारी।

भगवान श्री कृष्ण के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

इस्कॉन कुरुक्षेत्र व इस्कॉन प्रचार समिति पानीपत के संयुक्त तत्वाधान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा सुनाते हुए साक्षी गोपाल दास ने गोविंद हरि गोपाल हरि, भजले प्रभु दीनदयाल हरि, जय राम हरि, जय शाम हरि, जय जय प्रभु दीनदयाल हरि, गोविंद हरि गोपाल हरि'' नामक भजन गाकर सबको नृत्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को ऐतिहासिक नगरी पानीपत में भगवान श्री कृष्ण बलराम रथयात्रा निकाली जाएगी। वहीं, ब्राह्माण्ड पुराण में कहा गया है ''जो व्यक्ति भगवान के रथ के रस्सों को अपने हाथों से खींचता है तथा रथ पर सुशोभित श्री कृष्ण व बलराम जी के दर्शन करता है तथा भगवान जी के स्वागतार्थ उठ खडा होता है उसके जन्म जन्मांतर के सारे पाप नष्ट हो जाते है। इस अवसर पर इस्कॉन प्रचार समिति पानीपत के रथ यात्रा डायरेक्टर सिया राम गुप्ता, राम निवास गुप्ता, सुन्दर लाल चुघ, अशोक गोयल, राजेश गोयल, देवेंद्र महाजन, इंद्रजीत कथूरिया, महेश थरेजा, पंकज मेंहदीरत्ता, हरि ओम तायल, राज कुमार माटा, भुवन चुघ, पंकज शर्मा, अरविंद सिंघल आदि उपस्थित रहे।

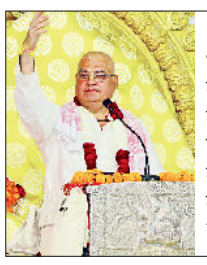

श्रीमद् भागवत कथा करते हुए साक्षी गोपाल दास

बाबा साहेब की याद में 110 ने रक्तदान किया

- इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी पानीपत के संरक्षण में रक्तदान शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स (पीआरपीसी) ने इंडियन ऑयल पानीपत एससी/एसटी इम्प्लाईज वेलफेयर एसोसिएशन (आईपीसेवा) के सहयोग से भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी पानीपत के संरक्षण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। वहीं, शिविर का उद्घाटन एमएल डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफ़ाइनरी प्रमुख, पीआरपीसी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कल्याण केंद्र में किया। इस अवसर पर चूरामन, कार्यकारी निदेशक (परियोजना) ओमप्रकाश, मुख्य-महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. गीता दत्ता, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, व उनकी टीम, रेड क्रॉस सोसाइटी से डॉ. पूजा, बीटीओ इंचार्ज, आईपीसेवा के प्रधान राजेश कुमार व उनकी टीम तथा पीआरपीसी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इधर, कैंप में 110 लोगों ने रक्तदान किया।

पानीपत। डॉ अंबेडकर की जयंती समारोह में शिरकत करते हुए एमएल डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफ़ाइनरी प्रमुख, पीआरपीसी। फोटो : हरिभूमि

टेक्सटाइल की 250 यूनिट्स बंद होने के कगार पर

टैरिफ में वृद्धि से उड़ी टेक्सटाइल उद्यमियों की नींद

- इन यूनिट्स में देश के कूड़े को फाइबर व फाइबर से यार्न बनता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

अमेरिकी सरकार के टैरिफ के काले खेल से परेशान चल रही टेक्सटाइल इंडस्ट्री को अब हरियाणा सरकार द्वारा बिजली में टैरिफ बढ़ाने खासी परेशानी हो रही है। हरियाणा चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री की समस्त पदाधिकारियों की बैठक में पानीपत की टेक्सटाइल पर आए संकट को लेकर बैठक हुई। जिसमें सभी ने सरकार से सहयोग करने की अपील की। हरियाणा चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष विनोद धमीजा ने बताया कि पानीपत के सभी औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी कार्यकारिणी में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बिजली के टैरिफ में 165 से 290 रुपये की बढ़ोतरी के बाद यार्न उद्योग पर मेजर असर डाल रही है। बिजली का टैरिफ बढ़ने से 3 रुपये प्रति किलो यार्न महंगा हो गया है। जिससे पंजाब के समाना के टेक्सटाइल उद्योग से मुकाबला करना बहुत मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि पंजाब समाना व हरियाणा के टैरिफ में काफी अंतर होने की वजह से पानीपत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री बंद होने की कगार पर खड़ी हो गई है। क्योंकि यार्न से जुड़े व्यापारी केवल एक से दो प्रतिशत लाभ पर माल बेचते हैं। धमीजा ने कहा कि अमेरिका के टैरिफ बढाने से व हरियाणा में बिजली में टैरिफ बढने से दोनों तरफ उद्योगपतियों को मार झेलनी पड़ रही है। विनोद धमीजा ने कहा कि अगर व्यापार को बचाना है तो सरकार का सहयोग जरूरी है इसलिये जल्द ही सरकार के साथ बैठक करेंगे। वहीं नॉर्दर्न इंडिया रूटर संगठन के प्रधान संजय गर्ग ने कहा कि बिजली टैरिफ बढ़ने से बहुत बड़ा नुकसान टेक्सटाइल इंडस्ट्री को हो रहा है। ओपन इंडस्ट्री में मेजर रोल पावर का है। जिसमें किसी माल को बनाने में 3 भाग बिजली का प्रयोग होता है। जबकि हमारा मुख्य मुकाबला समाना से है। इसलिये बिजली टैरिफ बढ़ने से हम उससे मुकाबला नहीं कर पाएंगे जिससे समाना के उद्योगपति पानीपत आकर माल बेचेंगे। जिससे पानीपत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री बंद हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पानीपत में लगभग ढाई सौ टेक्सटाइल यूनिट हैं। जिनकी 2000 टन प्रतिदिन की कैपेसिटी यार्न बनाने की है जबकि एक यूनिट 50 से 60 लख रुपये का बिल देता है। गर्ग ने कहा कि अगर राहत नहीं मिली तो यूनिट बंद होगी सरकार के सामने अपनी मांग को रखेंगे। संगठन के जॉइंट सेक्रेटरी गौरव ने बताया कि पूरे देश से कूड़े को रिसाइकल कर उसे फाइबर में कन्वर्ट करने के बाद यार्न बनाया जाता है। यार्न का मुख्य कंपटीशन हमारा समाना से है। अगर राहत नहीं मिली तो टेक्सटाइल इंडस्ट्री बंद हो जाएगी।

पानीपत। हरियाणा चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के पानीपत चेप्टर के अध्यक्ष विनोद धमीजा आदि बैठक करते हुए। फोटो :हरिभूमि

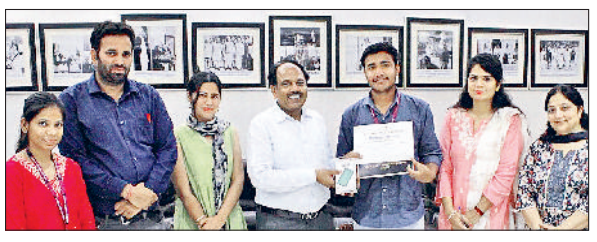

युवा संवाद में नीतीश ने किया पानीपत का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

- कॉलेज प्राचार्य डॉ .जगदीश गुप्ता ने छात्र नीतीश का कॉलेज पहुंचने पर स्वागत कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की

हरियाणा विधानसभा में आयोजित सामाजिक संस्था राजधानी युवा संसद द्वारा हरियाणा युवा संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे हरियाणा के युवाओं ने भाग लिया। इसमें पानीपत जिले का प्रतिनिधित्व आर्य कॉलेज के छात्र नीतीश कुमार ने किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने छात्र नीतीश का कॉलेज पहुंचने पर स्वागत कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं डॉ.गुप्ता ने इस डॉ.मनीषा डुडेजा, प्राध्यापिका आस्था गुप्ता, रजनी शर्मा, प्रो.सोनू ढूल को भी बधाई दी। डॉ. जगदीश गुप्ता ने छात्र सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष, विभिन्न विभागों के मंत्रियों के साथ-साथ पक्ष व विपक्ष की भूमिका को निभाया।

खबर संक्षेप

सेमिनार का हुआ सफल आयोजन

अंबाला। जीएमएन कॉलेज स्टार्ट-अप सेंटर ने एलटूइस्ट टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर बीसीए, बीबीए, एमसीए और एमबीए के विद्यार्थियों के लिए सेमिनार का आयोजन किया। उन्होंने पॉलीथिन से होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के बारे में बात की। प्राचार्य डॉक्टर रोहित दत्त ने इस अभियान की सराहना की उन्होंने कहा कि/"आई हेट पॉलीथिन/" अभियान समाज में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस अभियान का हिस्सा बने और नए कौशल सीखने तथा उज्जवल भविष्य के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सुंदर कांड पाठ आयोजित किया

अंबाला। जिला ब्राह्मण सभा की ओर से भगवान श्री परशुराम मंदिर पीपली बाजार अंबाला शहर में हनुमान जयंती के अवसर पर सत्यनारायण की कथा एवं सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। कथा, पाठ एवं हवन यज्ञ पंकज डिमरी ने करवाया। उन्होंने बताया कि श्रीराम के भक्त बजरंगबली को सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वो कलयुग में भी जीवित हैं। उनकी कृपा से जीवन के सारे दुख दूर हो जाते हैं। इसके पश्चात सभा द्वारा बैठक का आयोजन किया गया।

नारा लेखन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अंबाला। रैगिंग जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जीएमएन कॉलेज की एंटी रैगिंग सेल तथा जनप्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे 'स्टॉप रैगिंग ,स्टार्ट सपोर्टिंग' विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के विभिन्न संकायों के 25 छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने रचनात्मक नारों के माध्यम से रैगिंग के विरुद्ध सशक्त संदेश दिया। इस गतिविधि के संयोजकों में डॉ. मंजीत कौर, डॉ. कृष्ण पुनिया, बृजेश कुमार एवं डॉ. अमिता सम्मिलित रहे। प्रतियोगिता में जसमीत ने बाजी मारी। काजल व खुशी दूसरेव तीसरे स्थान पर रही।

पोषण पखवाड़ा का हुआ आयोजन

शहजादपुर। पोषण पखवाड़ा के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गांव गणेशपुर में किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मिक्षा रंगा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर, सुपरवाइजर मनप्रीत कौर, अरविंदर कौर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्घाटन गांव के सरपंच बालक राम द्वारा किया गया। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी शहजादपुर मीक्षा रंगा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक और उन्हें स्वस्थ आहार के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए महत्वपूर्ण है।

15 हाई स्कूल में 65 से भी कम हुए दाखिले

बेहाल सरकारी स्कूल, निरंतर घट रही है छात्रों की संख्या

- बराड़ा ब्लॉक में सबसे कम नामांकन, शिक्षा अधिकारी बोले स्टाफ पूरा होने के बावजूद नहीं बढ़ रही छात्रों की संख्या
- बेहतर शिक्षा उपलब्ध न करवाने की बजाय दिए जा रहे हैं बेवजह के तर्क

रहमदीन ⏭ बराड़ा

भले ही हरियाणा सरकार प्रवेश उत्सव अभियान चलाकर स्कूलों में बच्चो के नामांकन को बढ़ाने व राज्य में ड्राप आउट दर ज़ीरो करने के लिए कदम उठा रही है लेकिन इसके बावजूद भी स्कूलों में बच्चों की संख्या नहीं बढ़ पा रही है।

बीते दिनों शिक्षा विभाग ने वीसी के माध्यम से सभी जिलों से कम इनरोलमेंट वाले स्कूलों की जानकारी मांगी तो इसमें चौकाने वाले आंकड़े सामने आए। इसमें पता चला कि पूरे प्रदेश में लगभग ऐसे 200 स्कूल हैं। जिले की बात करे तो यहां पर 15 ऐसे हाई औऱ सीनियर सैकेंडरी स्कूल है जिनमें छात्रों की संख्या 65 से भी भी कम है। इनमें अंबाला वन ब्लॉक के 2, अंबाला टू ब्लॉक के 2, बराड़ा के 5, नारायणगढ़ का 1, साहा के 3 व शहजादपुर ब्लॉक के 2 स्कूलों के नाम शामिल है। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षाधिकारियों को ऐसे सभी स्कूलों की व्यक्तिगत रूप से विजिट करने के निर्देश भी दिए हैं।

इन स्कूलों में कम इनरोलमेंट

विभाग द्वारा कम इनरोलमेंट वाले स्कूलों की लिस्ट में अंबाला वन ब्लॉक के 2 स्कूल शामिल है जिसमें जीएचएस भुडंगपुर स्कूल में 53 व जीएचएस पंजौला में 58 स्टूडेंट्स के दाखिल हैं। अंबाला 2 ब्लॉक की बात करे तो इस के जीएचएस मिलिटरी डेयरी फार्म स्कूल में 64, जीएचएस कलरहड़ी में 61 विद्यार्थी का ही एडमिशन अभी तक हुआ है। बराड़ा खंड के स्कूलों में जीएचएस सरकपुर में 52, जीएचएस डुलियानी में 60, जीएचएस बिंजलपुर में 55, जीएचएस गगनपुर में 50, जीएचएस शेरपुर सुलखनी में 56 बच्चे ही दाखिल है। ब्लॉक नारायणगढ़ के जीएचएस फ़तेहपुर में 61 बच्चे ही आए हैं। साहा ब्लॉक में जीएचएस धुराला में 65, जीएचएस हल्दरी में 62, जीएचएस खानपुर में 61 बच्चे दाखिल हुए है। खंड शहजादपुर की बात की जाए तो यहां के ब्लॉक के जीएचएस शेरपुर में 32, जीएचएस गणेशपुर में 61 बच्चे ही शिक्षा ग्रहण पहुंचे है।

स्कूलों में स्टाफ पूरा

खंड सरकपुर व गंगनपुर स्कूल की अगर बात करें तो यह स्कूल बराड़ा शहर के काफी नज़दीक हैं। इन गांवों के बच्चे बराडा के मॉडल संस्कृति सीनियर्स सैकेंडरी स्कूल में दाख़िला लेना ज़्यादा पसंद करते हैं, जिस कारण इन स्कूलों में बच्चों के नामांकन कम होता है। इसके अलावा गांव डुलियानी, बिंजलपुर व शेरपुर सुलखनी के अधिकतर लोग विदेशों में रहते हैं, जिस कारण यहां के स्कूलों में बच्चों का दाख़िला कम रहता है। वैसे इन स्कूलों में स्टाफ लगभग पूरा है।

-प्रमोद राणा, बीईओ बराड़ा

नेशनल हाइवे पर भीषण हादसा

पीछे से आए कार चालक ने मारी टक्कर, कोई हताहत नहीं

- हाइवे पर लगा डेढ़ किलोमीटर लंबा जाम, गुरुग्राम से अमृतसर घूमने के लिए निकला था परिवार, हादसे को अंजाम देकर वाहन चालक फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला-अमृतसर नेशनल हाइवे पर शनिवार को तीन गाड़ियों में भीषण टक्कर हो गई। हादसे मे तीनों गाड़ियों के परखचे उड़ गए। हालांकि किसी को जानी नुकसान नहीं हुआ। हादसे की वजह से हाइवे पर जाम लग गया। करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति रही। तीनों गाड़ियों को हाइवे से हटाकर रास्ता चालू करवाया गया। गुरुग्राम के रहने वाले जसबीर ने बताया कि वह सुबह अमृतसर घूमने के लिए निकले थे। अंबाला कैंट के पास एक कार ड्राइवर ओवरटेकिंग लाइन में अपनी गाड़ी रोक कर खड़ा हो गया। तब जसबीर भी उसके पीछे आकर गाड़ी स्लो करने लगे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार टैक्सी परमिट गाड़ी ने उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद जसबीर की गाड़ी भी आगे खड़ी गाड़ी में भिड़ गई। इसके बाद ओवरटेकिंग लेन में खड़ा कर चालक तुरंत मौके से फरार हो गया। जसबीर ने बताया कि वह अपने माता-पिता व पत्नी और बच्चों के साथ ट्रिप के लिए निकले थे। अब आगे की सारी बुकिंग उन्हें कैंसिल करनी पड़ रही हैं। उन्होंने कहा कर चालक ने ओवरटेकिंग लेन में खड़े होकर यातायात नियमों की अवहेलना की है। उन्होंने बताया कि उनकी गाड़ी 10 दिन पुरानी ही है। उन्होंने कहा कि अभी गाड़ी का रजिस्ट्रेशन भी नहीं हुआ है। गाड़ी टेंपरेरी नंबर के साथ ही चल रही थी। नई गाड़ी पूरी तरह से खत्म हो गई है। हादसे के बादजब तक पुलिस मौके पर पहुंची तब तक हाईवे पूरी तरह से जाम हो चुका था। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी कतार में लग गए।

अंबाला। हादसे के बाद नेशनल हाइवे पर जाम की स्थिति।

बराड़ा। विजेताओं के साथ कॉलेज स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सच्ची संपत्ति

एनपीएन कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

बराड़ा। महाराणा प्रताप नेशनल कॉलेज में यूथ रेड क्रॉस एवं रेड रिबन सेल के तत्वावधान में 'विश्व स्वास्थ्य पखवाड़ा' के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सच्ची संपत्ति है और इसका ध्यान रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। प्रतिभागियों ने 'हेल्दी हैबिट्स-हैप्पी लाइफ' थीम पर रचनात्मक पोस्टर बनाकर अपनी जागरूकता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. शैली मनन ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय टोल फ्री नंबर 1097 की जानकारी दी और बताया कि इस हेल्पलाइन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति स्वास्थ्य संबंधी सलाह प्राप्त कर सकता है। विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

शास्त्रीय नृत्य में अमीषा ने धाक जमाई

खुशी ने भी शानदार डांस कर वाहवाही लूटी

- लॉर्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय में बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शीर्षक 'अनु कल को आज पढ़ानाः भावी शिक्षकों का वार्षिक समागम' रहा।

विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षंदा और आरती ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के अध्यक्ष राजकुमार सांगवान, सचिव रमेश कुमार सांगवान, कोषाध्यक्ष साहिब सांगवान और महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रेनू सोहता रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की वंदना के साथ की गई। विद्यार्थियों ने अपने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। अमीषा ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया, खुशी ने भी नृत्य से सभी को मंत्रमुग्ध किया, जबकि मनीषा ने मधुर गायन से वातावरण को संगीतमय बना दिया।

समारोह में मिस बीएड का खिताब रक्षंदा को तथा मिस्टर बीएड का खिताब कोमल को प्रदान किया गया। प्राचार्य डॉ. रेनू सोहता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पल खुशी और गम दोनों के हैं।

खुशी इस बात की है कि विद्यार्थियों ने अपना कोर्स पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा किया और गम इस बात का है कि अब उनसे विदा लेनी पड़ रही है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

बराड़ा। कार्यक्रम में उपस्थिति प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

अंबाला। मुख्य वक्ता का सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. देशराज बाजवा व अन्य।

बाबा साहेब को राष्ट्र नायक के तौर पर करें स्वीकार

अंबाला। अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में अकादमिक डिवेलपमेंट सैल व अर्थशास्त्र विभाग की तरफ से डॉ. अंबेडकर व सामाजिक सद्भाव विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जानेमाने उपन्यासकार व चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के प्रोफेसर डॉ. विकास शर्मा रहे। उन्होंने डॉ अंबेडकर के भारतीय राजनीति व समाज में व्यापक योगदान पर विस्तार से बात की। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ देशराज बाजवा ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका कॉलेज पहुंचने पर स्वागत किया। डॉ. विकास ने कहा कि डॉ. अंबेडकर हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। ऐसे में इतनी बड़ी शख्सियत को किसी जाति तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब स्वतंत्रता आंदोलन में पूरा देश महात्मा गांधी को बापू का दर्जा दे रहा था तब डॉ. अंबेडकर उनसे कई मुद्दों पर मतभेद का साहस रखते थे। ऐसा कई विद्वान ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव के लिए जरूरी है कि बाबा साहेब को एक राष्ट्र नायक के तौर पर स्वीकार किया जाए न दलित नेता के तौर पर। आर्य गर्ल्स कॉलेज की प्रो. सुमन ने डॉ. अंबेडकर के भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान पर विचार रखे। प्रो. शैलेंद्र रंगा ने महिला उत्थान संबंधी डॉ अंबेडकर के प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में डॉ. रविकांत,प्रो. अजय चौहान, डॉ. अतुल यादव,प्रो. शर्मीला अहलावत,प्रो. सुरेश कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. पूनम राजोरा ने किया।

संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में मनाई बाबा साहेब की जयंती

बराड़ा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागी।

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में शनिवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा रानी तथा एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पूजा बैरागी के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. अंबेडकर के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सुषमा रानी ने वृत्तचित्र के माध्यम से बताया कि बाबा साहेब ने अस्पृश्यता उन्मूलन और सामाजिक न्याय के लिए निरंतर कार्य किया तथा शिक्षा को दलितों और महिलाओं के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण साधन माना। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पूजा बैरागी ने कहा कि बाबा साहेब एक असाधारण समाज सुधारक, विद्वान, मानवाधिकारों के सच्चे रक्षक तथा शोषित वर्गों के मुक्तिदाता थे। उन्होंने संविधान में सभी नागरिकों को समान अधिकार दिलाने में अग्रणी भूमिका निभाई। अंत में कॉलेज प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

बस्ती चलो अभियान की शुरुआत, पूर्व मंत्री ने भगवान वाल्मीकि मंदिर में मत्था टेका

- लोगों से बोले, भाजपा कार्यकर्ता हमेशा रहते हैं जनता के बीच, इसी वजह से देश व प्रदेश में लगातार तीसरी बार बनी सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। अभियान के दौरान वाल्मीकि बस्ती के लोगों से बातचीत करते पूर्व मंत्री असीम गोयल। फोटो : हरिभूमि

पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने शनिवार को अंबाला शहर के वार्ड नंबर 7 से बस्ती चलो अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत असीम गोयल भाजपा के निगम सदस्यों सहित भगवान वाल्मीकि बस्ती पहुंचे। यहां पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। गोयल ने सर्वप्रथम भगवान वाल्मीकि मंदिर में माथा टेका। उसके बाद इलाके में लोगों के साथ बातचीत की। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री नायब सैनी की कार्यशैली व उनके द्वारा लिए जा रहे फैसलों की खूब सराहना की। बस्ती चलो अभियान के तहत असीम गोयल ने इलाका वासियों का कुशलक्षेम भी जाना। मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने कहा कि जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी देश में तीसरी बार, प्रदेश में भी तीसरी बार और अन्य राज्यों में भी कई कई बार सरकार के नाते लोगों की सेवा कर रही है। इसका बड़ा कारण लोगों के बीच में रहना है। गोयल ने अपने कार्यकर्ताओं से भी अभियान को आगे बढाने की अपील की। इस दौरान डिप्टी मेयर राजेश मेहता, निगम सदस्य सरदूल सिंह,विक्रम फकीर चंद, मोनिका मल, हितेश जैन, भाजपा नेता सुंदर ढींगरा, संजीव गोयल, अमन सूद, सतपाल, रवि, अभिषेक मोंटी, निखिल कांगड़ा आदि मौजूद रहे।

नम आंखों से तिवारी को अंतिम विदाई

मंत्री ने चादर चढ़ाकर दी श्रद्धांजलि

अंबाला। कैंटोनमेंट बोर्ड के वाइस प्रेजिडेंट रहे सुरेंद्र तिवारी को लोगों ने शनिवार को अंबाला छावनी के रामबाग में नम आंखों से विदाई दी। परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने भी भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र तिवारी के निधन पर गहरा दुख जताते हुए इसे कभी न पूरी होने वाली क्षति बताया। विज ने शमशानघाट में सुरेंद्र तिवारी के अंतिम संस्कार में पहुंच पार्थिव शरीर पर भाजपा मंडल अध्यक्षों के साथ चादर व फूल-मालाएं चढ़ाते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इससे पहले स्वर्गीय सुरेंद्र तिवारी के पार्थिव शरीर पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा चढ़ाया गया। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देते हुए परिवार को सांत्वना दी। गौरतलब है कि सुरेंद्र तिवारी भाजपा के वरिष्ठ नेता थे जोकि कैंसर से पीड़ित थे। कुछ समय पूर्व उनका स्वास्थ्य ज्यादा खराब होने पर उन्हें पीजीआई रोहतक ईलाज हेतु भर्ती किया गया था। शुक्रवार (11 अप्रैल) को उनका उपचार के दौरान निधन हो गया था। तिवारी भाजपा के अग्रणी नेताओं में से एक थे। कैंटोनमेंट बोर्ड से सदस्य चुने जाने के बाद उन्हें वाइस प्रेजिडेंट बनाया गया था।

अंबाला। भाजपा नेता सुरेंद्र तिवारी के अंतिम संस्कार से पहले चादर चढ़ाते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

बाबा साहेब की प्रतिमाओं की करेंगे भाजपा कार्यकर्ता सफाई, 14 को दी जाएगी श्रद्धांजलि

अंबाला। पार्टी ऑफिस में आयोजित मीटिंग के दौरान मौजूद भाजपा एससी मोर्चा के पदाधिकारी।

अंबाला। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में शनिवार को अंबेडकर जयंती के कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित कुमार वजीदपुर की अध्यक्षता में किया गया। मुख्यअतिथि सत्य प्रकाश जरावता का कार्यालय में पहुंचने पर जिला अनुसूचित जाति मोर्चा ने मिलकर भव्य स्वागत किया गया। जरावता ने सभी कार्यकर्ताओं को 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर यमुनानगर में प्रधानमंत्री के आगमन की जानकारी दी। बताया की इस बार अंबेडकर जयंती आप के साथ मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पधार रहे हैं। उन्होंने सभी से अंबेडकर जयंती मनाने के लिए यमुनानगर पहुंचने की अपील भी की। कार्यक्रम के जिला संयोजक सुरेश सहोता ने इस कार्यक्रम से पहले ने बताया कि आप सभी कार्यकर्ताओं ने 13 अप्रैल को अपने अपने क्षेत्रों में अंबेडकर की प्रतिमाओं की व उसके आसपास सफाई करनी व करवानी है।

बरसात ने डाला सीएम के कार्यक्रम में खलल पंडाल में कुर्सियां छोड़कर भागे लोग

अंबाला। कश्यप, राजपूत, पंजाबी वेलफेयर सोसायटी के कार्यक्रम में बरसात की वजह से अफरातफरी मच गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सीएम नायब सैनी द्वारा किया जाना था। इससे पहले जोरदार बरसात होने से पूरे प्रोग्राम का मजा किरकिरा हो गया। लोग बारिश से बचने के लिए पड़ाल से भाग खड़े हुए। सीएम के अभिनंदन के लिए मंच पर मौजूद अंबाला नगर की मेयर शैलजा सचदेवा भी गुलदस्ता लेकर बरसात से बचने के लिए सुरक्षित जगह पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनके साथ भाजपा के जिलाध्यक्ष मनदीप राणा भी बरसात से बचते दिखे। इसके कुछ देर बाद सीएम नायब सैनी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। दरअसल शनिवार को कश्यप, राजपूत, पंजाबी वेलफेयर सोसायटी का 50वां मेला शुरू हुआ। इसके उद्घाटन के लिए सीएम नायब सैनी को बुलाया गया था। कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग मौजूद थे। सभी लोग पंडाल में लगी कुर्सियों पर बैठे थे। अचानक जोरदार बरसात शुरू हो गई। इसी वजह से लोग कुर्सियों से उठकर भागने लगने जिसकी वजह से अफरातफरी मच गई। यहां बारिश से बचाव के लिए कोई इंतजाम नहीं थे। जबकि मौसम विभाग की तरफ से बरसात को लेकर अलर्ट जारी किया गया था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

परमात्मा को पहचान कर उससे संबंध जोड़कर जीवन मुक्ति का अधिकार प्राप्त करें इंसान

- प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से नगला में आयोजित किया गया भव्य कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। डेराबस्सी के विधायक कुलतार रंधावा को सम्मानित करती बीके बहन।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा दयालबाग की ओर से गांव नगला के देवी मंदिर में चौदस पर लगे मेले के अवसर पर शिवदर्शन कर मनुष्य से देवता बनने की कला सिखाने वाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी सुबह 10:00बजे से शाम तक चली।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुमन दीदी ने कहा की जब दुनिया में पापाचार, अनैतिकता और अधर्म फैल जाता है तब परमपिता परमात्मा इस धरती पर अवतरित होकर इस पतित सृष्टि को पावन बनाने का कार्य करते हैं। वे ज्ञान और राजयोग से मनुष्य को देवता बनाते हैं। इसके लिए ही श्री गुरु ग्रंथ में कहा गया है 'मानुष से देवता किए करत न लागी बार'। उन्होंने बताया कि राजयोग द्वारा आत्मा के कई जन्मों के पाप भस्म होते हैं।

आत्मा पावन बन जाती है। ज्ञान से जीवन में गुण आने लगते हैं तो यह वही समय है। परमात्मा फिर वही गीता का ज्ञान सुना रहे हैं, जिससे आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना हुई थी और देश स्वर्ग बना था। अब जरूरत इस बात की है कि परमात्मा को पहचान कर उससे संबंध जोड़कर उनसे जीवन मुक्ति का अधिकार प्राप्त करें और उनकी आज्ञा पर चलकर श्रेष्ठ बनें।

उन्होंने कहा कि यह समय कलयुग के अंत के भी अंत का समय चल रहा है। इसकी निशानियां गुरु नानक ने बताई थी जिसमें पहली निशानी गाय गंदी चीजों को खाने पर मजबूर होंगी, कन्या अपना वर स्वयं मांगेगी, अनाज पुड़ियों में बिकेगा व केशों का श्रृंगार होगा। ये सभी लक्षण वर्तमान समाज में विद्यमान हैं। इससे प्रतीत होता है कि कलयुग की समाप्ति का समय चुका है। इस प्रदर्शनी में डेरा बस्सी के विधायक कुलतार सिंह रंधावा ने भी शिरकत कर इश्वरिये ज्ञान लिया। उन्होंने कहा ब्रह्माकुमारीज़ संस्था बहुत अच्छा काम कर रही है।

संसार में शांति स्थापन करने में इनकी विशेष भूमिका है। इसके साथ ही मंदिर में आने वाले सभी भक्तों सहित लगभग हजारों की संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी समझी वा प्रतिज्ञा ली कि हम परमात्मा के गुणों को स्वयंम में धारण करेंगे। प्रदर्शनी में बीके कोमल, बीके सीता राम, बीके राकेश मेहता, बीके सुनील, बीके कमलेश, बीके सुदेश, बीके रक्षा, बीके बीरबल, बीके विशाल व सरपंच समेत भारी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे।

रस्म क्रिया में जा रहा था परिवार, कार चालक की लापरवाही से हुए हादसे में महिला की मौत

अंबाला। रिश्तेदार की रस्म क्रिया में जा रहे परिवार के ऑटो को कार ने टक्कर मार दी। हादसा इतना दर्दनाक था कि शहजादपुर के रजपुरा गांव के पास ऑटो खेतों में पलट गया। हादसे में मोहाली के सुंडरा गांव की 68 वर्षीय बंतो की मौत हो गई।एक साल की बच्ची रीत सहित मां गुरजीत, मलकीत कौर को गंभीर चोटें आने पर शहजादपुर से मुलाना एमएमयू अस्पताल रेफर कर दिया। इसके अलावा भाग सिंह, चिंतो देवी व ऑटो चालक कर्मबीर सिंह चोटिल हो गए। शहजादपुर थाना पुलिस ने शनिवार मृतक बंतो का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। घायल भाग सिंह ने बताया कि उनके मामा की रस्म क्रिया में पूरा परिवार बुढ़ियों गांव जा रहा था। जैसे ही वह रजपुरा गांव के पास पहुंचे तो पीछे से आई-20 कार ने टक्कर मार दी। हादसे में कार भी खेतों में उतरकर क्षतिग्रस्त हो गई थी।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लेकर निकाली प्रभातफेरी

साहा। महिला एवं बाल विकास विभाग की सीडीपीओ ईशा रानी के नेतृत्व में गांव तेपला में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस प्रभात फेरी में सुपरवाइजर सुजाता सरोहा, नीलाम, सुदेश और गांव के सरपंच, पंच सहित गांव की महिलाओं ने भाग लिया। प्रभात फेरी में भाग लेने पहुंची सीडीपीओ ईशा रानी ने कहा कि विभाग के आदेश अनुसार इस प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें संदेश दिया गया कि लिंग जांच करवाना गैर कानूनी है। लिंग जांच करने और करवाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस प्रभात फेरी के बारे में जानकारी देते हुए सुपरवाइजर सुजाता सरोहा ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम पंचायत के सहयोग से इस प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 13 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

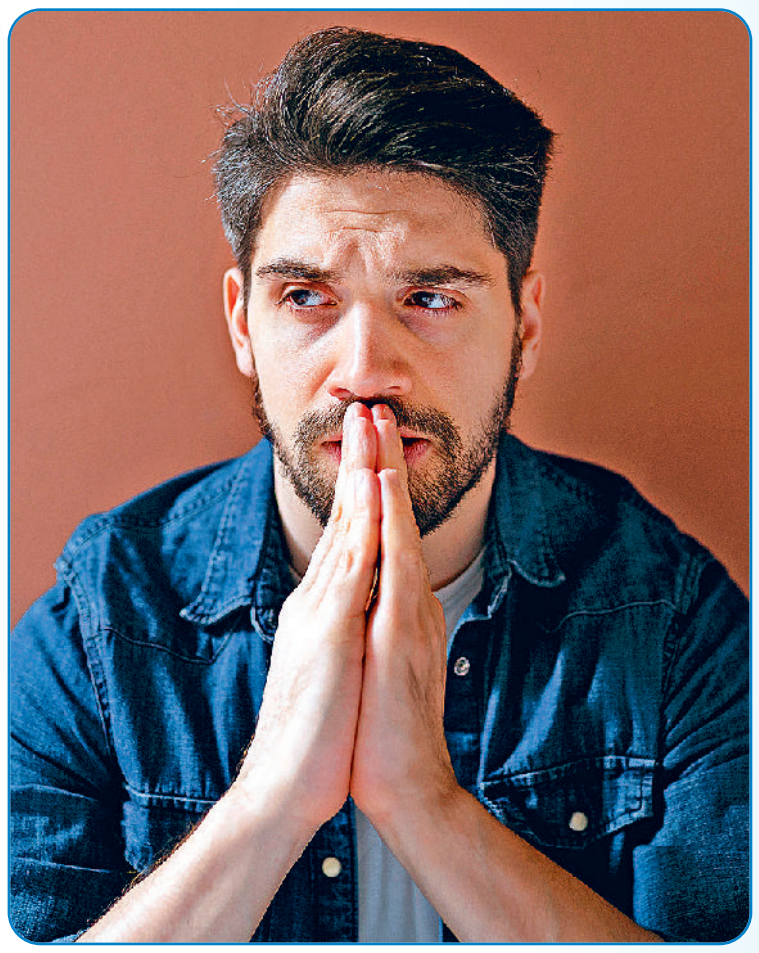

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर

यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरिया: पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्ण: इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मान: आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकट: सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमा: अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

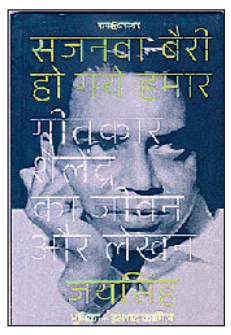

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, लेखकः जय सिंह, मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

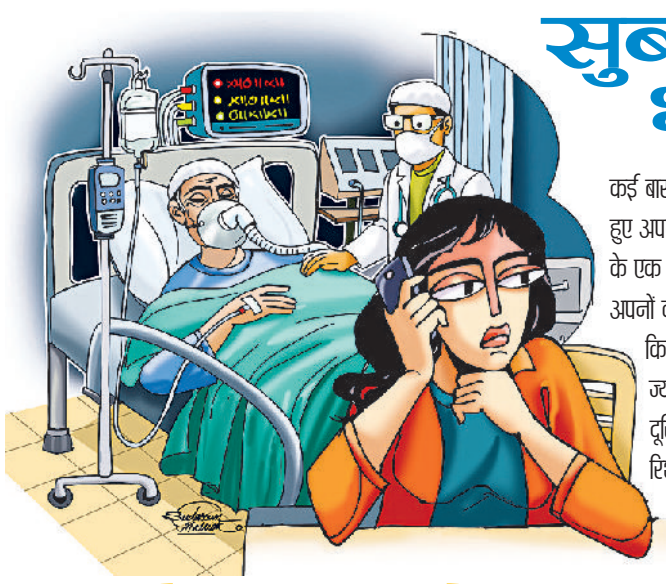

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन.....

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लेडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

@DGN

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

नदियों किनारे लगने वाले बैसाख मेले

मनमोहक धार्मिक-सांस्कृतिक छटा

बैसाख माह में भारत की विभिन्न नदियों के किनारे लगने वाले मेले धार्मिक आस्था, कृषि परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का संगम हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी और ब्रह्मपुत्र तट पर लगने वाले ये मेले बहुत धार्मिक महत्व रखते हैं। इन बैसाख मेलों की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं पर एक नजर।

पर्व-परंपरा / धीरज बसाक

भारत में सदियों से जीवन जीने का ढंग महज भौतिक नहीं रहा यानी खाने-पीने और आराम करने तक ही सीमित नहीं रहा। हमारे यहां जीवन प्रकृति, मौसम, धर्म और संस्कृति के खूबसूरत तालमेल का हिस्सा रहा है। यही वजह है कि प्राचीनकाल में हमारे यहां कोई भी मौसम आपदा या परेशानी का सबब नहीं माना जाता था, बल्कि सभी मौसम अपनी-अपनी तरह के उल्लास का स्रोत माने जाते रहे हैं।

प्राकृतिक बदलाव का स्वागत-पर्व: हमारे यहां रोजमर्रा के जीवन में, हर मौसम के साथ दोस्ती करने, उसके साथ जीवंत तालमेल बनाने की बकायदा जीवनशैली रही है। हम हर मौसम का उसके आने के पहले अपनी ऐसी ही धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए स्वागत करते रहे हैं। उसके साथ तालमेल बिठाते रहे हैं, इस कारण हमारे यहां परंपराओं के नाम पर हर मौसम के अनुकूल उल्लास की चुनी और बुनी हुई गतिविधियां मौजूद रही हैं। यही वजह है कि बसंत ऋतु को विदा देने वाले और घनघोर गर्मियों की तरफ कदम बढ़ाने वाले बैसाख माह में सदियों से हमारे यहां नदियों के किनारे बकायदा उल्लास भरे सांस्कृतिक मेले लगते रहे हैं।

पंजाब में बैसाखी पर गिद्दा करती महिलाएं

बैसाखी मेले पर वृंदावन में कृष्णलीला का मंचन

नदियों किनारे लगते हैं मेले: हालांकि अब इन परंपरा को ढोने वाले मेलों में वह जीवंतता, लोगों की वह चुंबकीय भागीदारी नहीं बची, जो इन्हें उल्लास का कारक बनाती हैं। लेकिन आज भी बैसाख महीने में भारत की सभी बड़ी नदियों के किनारे किसी न किसी रूप में ये बैसाख मेले लगते हैं, जो हमें किसी हद तक हमारी धार्मिक आस्था, कृषि पर्व, और लोक-संस्कृति से जोड़ते हैं।

हरिद्वार-प्रयाग-काशी के बैसाख मेले: हरिद्वार में हर की पैड़ी और सप्तऋषि घाट, प्रयागराज में संगम के किनारे और वाराणसी में वृंदावन घाट, गांव के किनारे बैसाख मेले लगते हैं। गंगा नदी प्राचीन काल से हमारी सनातन आस्था और संस्कृति के केंद्र में रही है। इसके किनारे बसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों हरिद्वार, प्रयागराज और काशी या वाराणसी में हर साल बैसाख माह में मेले लगते रहे हैं। आज भी प्रतीक रूप में बचे इन मेलों में लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इनकी प्रमुख गतिविधियों में गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दान-पुण्य होता है। इस दौरान यहां संतों के प्रवचन और वैदिक अनुष्ठान भी होते हैं। वाराणसी में विशेष तौर पर क्षेत्रीय हस्तशिल्प, खान-पान, और पारंपरिक वस्त्रों के स्टॉल लगते हैं। यहां मेला मुख्य रूप से पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर स्थित वृंदावन गांव में लगता है, जो वाराणसी शहर से लगभग 10-12 किलोमीटर की दूरी पर है।

मान्यता है कि बैसाख माह में यहां यानी वृंदावन सरोवर घाट में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यहां बैसाख मेले में स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकगीत, नाटक, और भजन-कीर्तन किए जाते हैं। इससे यह एक सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है।

पंजाब में बैसाखी मेले: बैसाखी का पर्व, सिख और पंजाबी समुदाय के लिए कई वजहों से बहुत महत्वपूर्ण है। वैसे यह फसल कटाई का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसी दिन सन 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसलिए पंजाब में यह पवित्र पर्व नदियों और सरोवरों के किनारे लगने वाले मेलों के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन और लंगर होता है।

तिरुचिरापल्ली में श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर

कामाख्या मंदिर में बैसाखी मेले पर उमड़े श्रद्धालु

लोग खुशी व्यक्त करने के लिए पारंपरिक भांगड़ा-गिद्दा नृत्य करते हैं। स्वर्ण मंदिर (अमृतसर) और आनंदपुर साहिब में भव्य आयोजन होते हैं। हालांकि स्वर्ण मंदिर सीधे किसी नदी किनारे स्थित नहीं है। इसके कुछ किलोमीटर दूर कालीबेई और रावी नदी बहती हैं जबकि आनंदपुर साहिब सतलुज की सहायक नदी सिरसा के तट पर स्थित है, जहां बैसाख मेले की खूब रौनक सजती है। बैसाखी का दिन रबी फसल (गेहूं) की कटाई के बाद किसानों के लिए खुशियों का अवसर होता है। किसान नई फसल का उत्सव मनाते हैं।

मथुरा-वृंदावन में बैसाख मेला: विश्राम घाट, मथुरा और कोशी घाट, वृंदावन में आयोजित बैसाख मेलों के दौरान भगवान कृष्ण से जुड़ी कथाओं का मंचन और झांकी निकाली जाती हैं। लोग यमुना नदी में स्नान करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

नासिक का बैसाख मेला: बैसाखी मेला नासिक के पंचवटी क्षेत्र में रामकुंड में आयोजित होता है। श्रद्धालु यहां दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। इस पूरे मेले वाले दिन यहां महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति के साथ-साथ भजन और कीर्तन का आयोजन होता है।

नर्मदा तट पर मेला: बैसाखी के दिन नर्मदा उद्गम स्थल, अमरकंटक में श्रद्धालु पवित्र नर्मदा नदी में स्नान और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। बड़े पैमाने पर इस स्नान के लिए यहां देशभर से साधु-संत आते हैं। शाम को नर्मदा नदी की आरती होती है। अमरकंटक के अलावा होशंगाबाद के सेठानी घाट पर भी बैसाखी मेला लगता है।

कावेरी तट पर मेला: बैसाखी के दिन कर्नाटक और तमिलनाडु में बहने वाली पवित्र कावेरी और इसकी सहायक नदियों के किनारे बसे तिरुचिरापल्ली, कुंभकोणम और मैसूर शहर में विशेष बैसाखी मेले आयोजित होते हैं। तिरुचिरापल्ली में स्थित श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर में इस दिन विशेष पूजन और उत्सव संपन्न होता है। कुंभकोणम में भी इस दिन पारंपरिक द्रविड़ शैली की भव्य झांकियां निकलती हैं। इसके साथ ही कावेरी के तट पर वैष्णव भक्तों का हुजूम उमड़ता है और भक्ति संगीत की त्रिवेणी बहती है।

ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बैसाखी मेला: कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी में इस मेले के दौरान विशेष अनुष्ठान संपन्न होते हैं। इन अनुष्ठानों में तांत्रिक परंपराओं का पालन होता है। जिसमें असमिया लोक संस्कृति और बिहू नृत्य का प्रदर्शन होता है।

बिहार-झारखंड के बैसाख मेले: बिहार में सोनपुर का और झारखंड में गुमला स्थित रामरेखा धाम का बैसाख मेला बहुत प्रसिद्ध हैं। गंडक और गंगा के संगम में सोनपुर का यह मेला ऐतिहासिक हरिहरनाथ मंदिर से जुड़ा हुआ है। इस मेले में लोकनृत्य, पारंपरिक झूमर नृत्य का विशेष प्रदर्शन होता है। *

सही नहीं हर किसी को अनावश्यक उपदेश देना

दूसरों को उपदेश देना सामान्य मानवीय स्वभाव है। जब से सोशल मीडिया का ट्रेंड बढ़ा है, दूसरों को उपदेश देने वालों की बाढ़ आ गई है। लेकिन ऐसा बार-बार करने से घर के सदस्य हों या बाहर के लोग, आपसे दूरी बनाना शुरू कर सकते हैं।

बिहेवियर

विवेक कुमार

इन दिनों सोशल मीडिया पर हेल्थ रिलेटेड कई इंफ्लूएंसर यह शिकायत कर रहे हैं कि अब लोग उनकी टिप्स पर उतना ध्यान नहीं देते, जितना पहले दिया करते थे। दरअसल, इसकी वजह उनका लगातार उपदेश देते रहना है। यह विभिन्न शोध अध्ययनों से स्पष्ट हो गया है कि लोग एक हद तक ही किसी से ज्ञान ले सकते हैं या उनके उपदेश सुन सकते हैं। एक सीमा के बाद लोग ऊब जाते हैं, क्योंकि हर कोई अपनी सोच और फैसलों में आजादी चाहता है, जबकि उपदेश देने वाला हर हाल में उसे अपना फॉलोअर बनाना चाहता है।

संभव नहीं हमेशा सुनना: उपदेशों में आमतौर पर संवाद एकतरफा हो जाते हैं और सामने वाला सिर्फ सुनने को मजबूर हो जाता है। इसलिए एक न एक दिन वह उपदेशों से दूरी बनाने लगता है। यह बात सिर्फ बाहर ही नहीं घर-परिवार में भी लागू होती है। जिन बच्चों को मां-बाप कुछ न कुछ सिखाते रहते है यानी, उपदेश देते रहते हैं, वे बच्चे अकसर इन उपदेशों से किसी न किसी दिन बगावत कर देते हैं।

सोशल मीडिया से बढ़ा ट्रेंड: ज्यादा उपदेश सुनना किसी को पसंद नहीं होता, यह बात जानने-समझने के बावजूद आज सोशल मीडिया में हर तरफ, हर कोई उपदेश ही देते मिलता है। लोग अब सिर्फ बातें ही नहीं सिखाते बल्कि अपनी बात मनवाने के तमाम तर्क देते हैं, अपनी बताई दिशा में धकेलने का पूरा प्रयास करते हैं। ऐसा करना अनुचित है। लेकिन हमारे इर्द-गिर्द हर क्षेत्र के ढेरों तथाकथित विशेषज्ञ हो गए हैं, जो किसी भी शर्त पर हमारा मार्गदर्शन करने से चूकना नहीं चाहते। ऐसे लोगों के दिलो-दिमाग में हर समय उपदेश कुलबुलाते रहते हैं और वे यही चाहते हैं कि जैसे ही कोई मिले वह उन पर ये उपदेश उड़ेल दें।

हर कहीं मौजूद उपदेशक: आज के दौर में हमारे इर्द-गिर्द ऐसे उपदेशकों की भरमार है। टेलीविजन चैनल पर दिन-रात विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के उपदेश प्रसारित होते हैं। बहुत सारी सेल्फ हेल्प बुक्स हैं, उनमें उपदेशों की भरमार होती है। यहां तक कि बाजार में सब्जी या कोई सामान खरीदने जाएं तो वहां पर भी आपको ऐसे उपदेश सुनने को मिल सकते हैं। मसलन, आपने दुकान वाले को 50 की बजाय 100 रुपए का नोट थमा दिया और वह आपके पैसे वापस करता है तो भी उपदेश के साथ, जो वह ईमानदारी पर देता है और आपको उपदेश पर उसकी सारी बातें सुननी पड़ती हैं। घर आकर आपको लगता है कि कितना अच्छा होता वह आपको 50 रुपए भले वापस न करता, आपको इतने उपदेश तो न सुनने पड़ते।

मिलती है संतुष्टि: उपदेशक बनने में एक संतुष्टि मिलती है। आपने कोई अच्छी किताब पढ़ी या आपको कोई उक्ति कोट करने लायक लगती है तो आप जो कुछ सीखते हैं, उसे दूसरों को भी शेयर करते हैं, ऐसे में आप भी तो उपदेशक ही हुए न! उस समय आपको लगता है कि आप जो कह रहे हैं, वह सही है और आपने ऐसी बात कहकर जीवन में किसी को कुछ तो सिखाया है और आपको भी यह विश्वास हो जाता है कि दिल को अच्छी लगने वाली बातों को हम दूसरों से भी शेयर करें। दूसरों से जब हम शेयर करते हैं और वे भी हमारी बात से सहमत होते हैं तो इससे हमें एक सुख मिलता है।

संतुलन है जरूरी: हम आज ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां पर चारों ओर अच्छे विचारों और सलाहों के स्वर गूंज रहे हैं। यह अनुचित तभी होगा, अगर हम जबर्दस्ती दूसरों को उपदेश दें। हम एक-दूसरे को सलाह देते हैं कि हमें किसी भी सवाल का जवाब सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए। लेकिन हममें से कितने ऐसे लोग हैं, जो अपनी किसी भी समस्या या प्रश्न के बारे में अपने आपसे पूछते हैं? हम हमेशा उसके समाधान के लिए दूसरों का मुंह ताकते हैं। इसलिए किसी को सलाह देना गलत नहीं है, लेकिन किसी को सही समय पर ही सलाह देनी चाहिए, सही जगह और सही नजरिए के साथ। जरूरत इस बात की है, हमें इसमें संतुलन बनाकर रखना चाहिए। जो आपसे सलाह या मार्गदर्शन मांगे, उसे जरूर दें। लेकिन जिसे आपके उपदेशों में रुचि नहीं है या किसी को अपना फॉलोअर बनाने के लिए दबाव डालना उचित नहीं है। *

टेक्नो ट्रेंड

नरेंद्र शर्मा

अगर आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, तो 'घिब्ली स्टाइल' के ट्रेंड से जरूर वाकिफ होंगे। क्या है घिब्ली स्टाइल, यह कहां से शुरू हुआ, क्यों हो रहा इतना वायरल? आप जरूर जानना चाहेंगे।

सोशल मीडिया का नया टाइम पास घिब्ली स्टाइल

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आए दिन कोई-न-कोई फीचर या एप ट्रेंड करता रहता है। ऐसा ही एक ट्रेंड पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट की दुनिया में छाया हुआ है, जिसका नाम है-घिब्ली स्टाइल। आपमें से कई लोगों ने अपनी और अपनों की फोटोज को घिब्ली स्टाइल में क्रिएट कर एंज्वॉय भी किया होगा।

क्या है घिब्ली स्टाइल: यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित टूल है, जो एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से तस्वीरों को री-क्रिएट करता है। इस टूल के माध्यम से आप अपनी किसी भी तस्वीर को क्लासिक एनिमेशन स्टाइल तस्वीर में बदल सकते हैं। वैसे मूल 'घिब्ली' का शाब्दिक अर्थ है, रेगिस्तान में चलने वाली गर्म हवा। लेकिन इंटरनेट पर वायरल हो रहे 'घिब्ली स्टाइल' तस्वीरों के ट्रेंड्स को देखते हुए कह सकते हैं कि 'घिब्ली' से आशय हाथ से बनाई गई कार्टून तस्वीरों, समृद्ध जलरंग और एक्रेलिक पेंट्स और डिटेल्ड बैकग्राउंड वाली डिजाइन से है।

कैसे वायरल हुआ यह ट्रेंड: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी 'ओपन एआई' ने 25 मार्च, 2025 को अपने चैट जीपीटी 4 ओ मॉडल में एक नए इमेज जनरेशन फीचर 'घिब्ली स्टाइल' की घोषणा की, जिसके जरिए यूजर्स अपनी तस्वीरों के साथ अनोखे एक्सपेरिमेंट्स कर सकते हैं। सिएटल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ग्रांट स्लैटन ने उसी दिन अपनी पत्नी और डॉगी के साथ समुद्र तट पर ली गई एक तस्वीर को 'घिब्ली' शैली में परिवर्तित करके अपने एक्स एकाउंट पर पोस्ट कर दिया। देखते ही देखते सोशल मीडिया में न केवल इस तस्वीर को लाइक करने वाले लोगों की संख्या लाखों में पहुंच गई, बल्कि लोग खुद भी अपनी तस्वीरें घिब्ली स्टूडियो शैली में जनरेट करके अपलोड करने लगे और इस वजह से इस ट्रेंड की बाढ़ आ गई।

जापानी स्टूडियो की देन: 'घिब्ली' वास्तव में एक जापानी एनिमेशन स्टूडियो का नाम है, जिसे हायाओ मियाजाकी और इसाओ ताकाहाता ने 1985 में स्थापित किया था। इस स्टूडियो ने अपनी अनूठी कला शैली विकसित की है। इस कला शैली की कुछ खासियतें हैं, जैसे यह शैली बेहद भावनात्मक, सजीव और प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई विजुअल्स निर्मित करती है। इसमें अद्भुत कल्पनाशीलता का विस्तार है, जैसे उड़ते हुए महल, बोलते हुए जानवर और ऐसी ही सम्मोहक जादुई दुनिया।

नैतिकता के पैमाने पर घिब्ली: चैट जीपीटी का यह नवीनतम इमेज-जनरेशन फीचर ऐसी तस्वीरें और दृश्य बना रहा है, जो लगता है मानो सीधे 'स्टूडियो घिब्ली' के मालिक मियाजाकी की स्केचबुक से निकले हों। अब एआई टूल्स जैसे मिडजर्नी और डल-ए, इस स्टाइल की नकल करके पलक झपकते ही हू-ब-हू घिब्ली शैली जैसी तस्वीरें बना रहे हैं। एआई टूल्स की ये सटीक कलात्मकता अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि यह नैतिकता की दृष्टि से कितना सही है? क्योंकि घिब्ली स्टूडियो ने कभी किसी एआई को अपने काम से ट्रेनिंग की अनुमति नहीं दी। फिर भी कंपनियां एआई को यह स्टाइल सिखा रही हैं। वास्तव में यह उचित नहीं है। जिन पारंपरिक कलाकारों को यह स्टाइल सीखने में वर्षों लगे, उनकी वर्षों की मेहनत एआई उनसे पलक झपकते छीन रहा है। इससे दुनिया के वास्तविक कलाकारों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है।

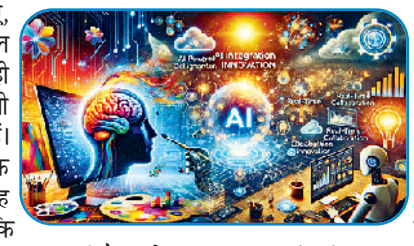

'जब एआई ये सब मुफ्त में बना सकता है, तो मैं किसी कलाकार को क्यों हायर करूं?' लोग यही सोचकर ऐसे क्रिएटिव आर्ट के लिए कलाकारों के बजाय एआई टूल्स की सेवा लेने लगे हैं। लेकिन जरा सोचिए, क्या एक मशीन द्वारा बनाई गई कला भी उतनी ही 'सच्ची' और 'इनसानी' हो सकती है, जितनी किसी इंसान द्वारा बनाई गई? बहरहाल, इन परिस्थितियों से हताश या निराश होने के बजाय हमें नई रचनात्मक दिशाओं की तलाश करनी होगी, जैसे-एआई के साथ मिलकर क्रिएटिविटी को अपनाना। हमें एआई को क्रिएटिविटी में सहयोगी बनाना चाहिए, ऑप्शन नहीं। तभी कला और तकनीक का बैलेंस्ड यूज हो पाएगा। *

हाल में रिलीज हुई फिल्म 'जाट' में सनी देओल अपने जाने-पहचाने एंग्री एक्शन मैन के रोल में दिख रहे हैं। साउथ फिल्मों के डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में काम करने के उनके एक्सपीरियंस कैसे रहे? अब तक की अपनी एक्टिंग जर्नी को वे कैसे देखते हैं? फिल्म और करियर से जुड़े कई सवालों के जवाब सनी देओल ने दिए इस बातचीत में।

बतौर एक्टर मेरा करियर अच्छा-खासा चल रहा है: सनी देओल

खास मुलाकात

पूजा सामंत

चार दशक पहले फिल्म 'बेताब' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले सनी देओल को फिल्म इंडस्ट्री में 42 वर्ष हो चुके हैं। इन दिनों सनी देओल, बीते शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी और पटकथा लिखने के साथ ही डायरेक्ट भी किया है साउथ फिल्मों के गोपीचंद मलिनेनी ने। फिल्म में सनी देओल के अपोजिट रेजिना कैसेंड्रा और सैयामी खेर हैं, जबकि रणदीप हुड्डा नेगेटिव रोल में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म और करियर से जुड़ी बातें सनी देओल के साथ।

आपने पहली बार साउथ फिल्म मेकर के साथ फिल्म की है, इसकी क्या खास वजह रही?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कई खासियतें हैं। यहां ज्यादातर आम लोगों के लिए फिल्में बनाई जाती हैं। मनोरंजन के साथ-साथ अच्छी कहानी का भी ध्यान रखा जाता है। गोपीचंद ने जब इस फिल्म की स्टोरी सुनाई, तो मुझे फिल्म की कहानी, इसमें मेरा किरदार बेहद पसंद आया, इसलिए मैंने बिना देर किए इस फिल्म के लिए हामी भर दी।

आप खुद जाट परिवार से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में आप अपनी फिल्म 'जाट' के साथ कैसे खुद को रिलेट करते हैं?

यह सच है कि मैं जाट परिवार से ताल्लुक रखता हूं। लेकिन अपने देश में अमूमन 'जट' यानी किसान को भी 'जाट' कहा जाता है। मैं इस फिल्म में जाट यानी किसान बना हूं। किसान कहीं का हो, उनका खान-पान, रहन-सहन, संस्कृति, जीवन तकरीबन एक-सा होता है। खेती-किसानी से हम जुड़े रहे हैं। इसलिए यह फिल्म और इसमें अपने किरदार से मैं आसानी से रिलेट करता हूं।

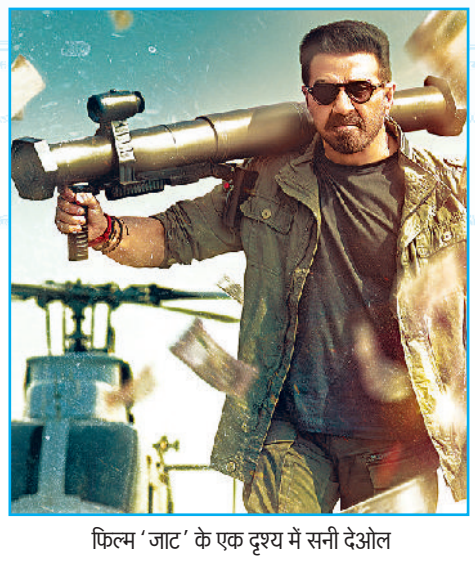

फिल्म 'जाट' के एक दृश्य में सनी देओल

आपने हाल-फिलहाल में यह कहा था कि आप साउथ में सैटल होना चाहते हैं। क्या वाकई ऐसी प्लानिंग है?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का डिसिप्लीन और वर्किंग स्टाइल देखकर मैं सरप्राइज्ड रह गया। 'जाट' साउथ में की मेरी पहली ही फिल्म है। इसका अनुभव बड़ा सुहाना, यादगार रहा। मैंने महसूस किया कि यहां लोग अपने काम को बड़ी गंभीरता से लेते हैं। यही वजह है कि यहां की अधिकांश फिल्में सफल होती हैं। इन्हीं सब कारणों से मैंने मजाकिया अंदाज में यह कह दिया था, मैं अब प्रोफेशनल कारणों से साउथ में बसने वाला हूं। नथिंग सीरियस!

आपने कुछ फिल्में डायरेक्ट भी की हैं, लेकिन इधर कुछ वर्षों से आपने कोई फिल्म डायरेक्ट नहीं की, इसकी क्या वजह है?

मैंने 1999 में 'दिल्लगी' फिर 2016 में 'घायल वंस अगेन' फिर 2019 में 'पल-पल दिल के पास' फिल्मों को निर्देशित किया था। जब भी मैंने डायरेक्शन की बागडोर संभाली, मुझे उन फिल्मों को मना करना पड़ा, जो उस दौरान मुझे ऑफर हुई थीं। मुझे मेरे वेल विशर्स ने यह सलाह दी कि दर्शक आपको बतौर एक्टर सिल्वरस्क्रीन पर देखना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक लीडिंग एक्टर के रूप में मेरा करियर जब अच्छा-खासा चल रहा है तो मुझे उसी पर फोकस करना चाहिए। इसलिए अब मैं डायरेक्शन के बजाय एक्टिंग को तवज्जो दे रहा हूं।

आपके फिल्मी करियर को 42 वर्ष हो चुके हैं, कैसा रहा अब तक का फिल्मी सफर?

बहुत ही अच्छा रहा। मेरी डेब्यू फिल्म 'बेताब' को आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं, जबकि इस फिल्म को रिलीज हुए 42 वर्ष हो चुके हैं। मैं अपने करियर का पूरा श्रेय अपने पापा को देना चाहूंगा। अगर उन्होंने मुझे लॉन्च नहीं किया होता तो शायद मेरा एक्टिंग में करियर ही नहीं बनता! मेरे एक्टिंग करियर का दूसरा बड़ा श्रेय मेरे दर्शक, मेरे मेकर्स, मेरे को एक्टर्स सभी को जाता है। कई बार फिल्में नहीं चलीं, लगा अब खत्म हुआ फिल्मी सफर, लेकिन फिर कोई न कोई फिल्म चली और मैं कहता रहा, 'एक मोड़ आया, मैं उत्थे असफलता छोड़ आया' रब दी मेहर बड़ी रही।

आपके प्रति एक डर-सा रहता है लोगों और मीडिया के दिल में, इसकी क्या वजह है?

ऐसा शायद मेरे फिल्मी इमेज की वजह से हुआ है। लेकिन असल जिंदगी में मैं बहुत सॉफ्ट स्पोकन, अच्छे व्यवहार का शख्स हूं। सभी के साथ प्यार से पेश आता हूं। मुझसे मेरे फैंस या मीडिया के लोग डरें, ऐसा मेरा व्यवहार कभी नहीं रहा।

अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में कुछ बताइए।

आमिर खान प्रोडक्शन की राजकुमार संतोषी निर्देशित 'लाहौर 1947' और जे.पी. दत्ता की 'बॉर्डर 2' आने वाली हैं। इसके अलावा और भी कुछ फिल्मों पर बातचीत चल रही है, वक्त आने पर इस बारे में भी बताऊंगा। *

मेरी पहचान-ढाई किलो का हाथ

जब भी सनी देओल की बात चलती है, 'ढाई किलो का हाथ' का जिक्र जरूर आता है। इस बारे में पूछे जाने पर सनी कहते हैं, 'इस डायलॉग के हिट होने के बाद जब हर जगह, हर कहीं 'ढाई किलो का हाथ' मेरी पहचान से जुड़ने लगा, तो मैं इससे ईरिटेट हो जाता था। लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि मेरे फैंस को मेरी यह पहचान पसंद है, तो मैंने भी इसे 'अडॉप्ट' कर लिया। अब मुझे बुरा लगना बंद हो गया है। अब तो मेरे करियर, मेरी पहचान का हिस्सा बन चुका है-ढाई किलो का हाथ।